

+
C
M
Y
K
+

+
C
M
Y
K
+

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

www.ghatatighatana.com

ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर, वर्ष 21, अंक - 337 - रविवार 12 अक्टूबर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रुपये

पीएम मोदी ने 35 हजार करोड़ की कृषि योजनाओं की शुरुआत की हमने बीज से लेकर बाजार तक सुधार किए पिछली सरकारों ने कृषि को छोड़ा : मोदी

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार दोपहर दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में कृषि क्षेत्र के लिए 35 हजार 440 करोड़ की दो बड़ी योजनाएं शुरू कीं। उन्होंने पीएम 11,440 करोड़ की दाल उत्पादन मिशन योजना और 24 हजार करोड़ की पीएम धन धान्य कृषि योजना का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि, कृषि और खेती हमेशा हमारे विकास यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। समय के साथ यह जरूरी है कि कृषि को सरकार का समर्थन मिलता रहे। दुर्भाग्य से पिछली सरकारों ने कृषि को छोड़ दिया था। पीएम ने कहा कि 21वीं सदी के भारत को तेजी से विकसित करने के लिए हमारी कृषि प्रणाली में सुधार आवश्यक था। यह काम 2014 में शुरू हुआ। हमने पिछली सरकारों के लापरवाह रवियों को बदला। बीज से लेकर बाजार तक, किसानों के लाभ के लिए अनगिनत सुधार किए।

पिछली सरकारों ने पिछड़े जिलों को भुलाया

पीएम मोदी ने कहा...पिछली सरकारों ने देश के 100 से अधिक जिलों को पिछड़ा घोषित किया, फिर उन्हें भुला दिया। हमने इन जिलों पर विशेष ध्यान दिया, इन्हें आशासद जिले घोषित किया। इन जिलों को सह-संयोजन, सहयोग और प्रतिस्पर्धा के अपने मंत्र से



दूध प्रोडक्शन में भारत नंबर 1

पीएम ने कहा...भारत दुनिया में दूध उत्पादन में नंबर वन है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है। 2014 के मुकाबले शहद का उत्पादन भी दोगुना हुआ है। अंडे का प्रोडक्शन भी पिछले 11 सालों में दोगुना हुआ। उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों में भारत का कृषि निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। अन्न उत्पादन में लगभग 90 मिलियन मीट्रिक टन की वृद्धि हुई है। फल और सब्जियों का उत्पादन 64 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक बढ़ा है। पिछले 11 सालों में देश में छह बड़े फर्टिलाइजर प्लांट बनाए गए। किसानों को 2.5 करोड़ से अधिक मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड बांटे। माइक्रो-इरिगेशन की सुविधा 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंची। पीएम फसल बीमा योजना से लगभग 2 लाख करोड़ के क्लेम मिले।

बदला। यहां की 20% बस्तियों में स्वतंत्रता का बाद भी सड़क नहीं थी। आज इन बस्तियों का अधिकांश हिस्सा सड़कों से जुड़ चुका है।

पहले यहां के 17% बच्चों को टीकाकरण का लाभ नहीं मिल रहा था, लेकिन आज मिल रहा है। 15% से अधिक स्कूलों में बिजली नहीं

थी, लेकिन अब योजना के तहत हर स्कूल में बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है।

10 हजार से ज्यादा किसान उत्पादक संघ का गठन

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 साल में 10 हजार से ज्यादा किसान उत्पादक संघ का गठन किया गया। इन सालों में देश के किसानों ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। आज देश का स्वभाव ऐसा हो गया है कि सिर्फ कुछ उपलब्धियों से संतुष्ट नहीं होती। यदि हम विकसित बनना चाहते हैं, तो हमें हर क्षेत्र में लगातार सुधार करना होगा। पीएम धन-धान्य कृषि योजना इसी सोच का परिणाम है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों की नो एंट्री मचा बवाल, राहुल गांधी ने केंद्र को घेरा

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर 2025। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा दिल्ली में अफगान विदेश मंत्री आमीर खान मुताफी की प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर केंद्र की आलोचना का समर्थन किया, जिसमें महिला पत्रकारों को भाग लेने की अनुमति नहीं दी। प्रियंका गांधी के एक्स पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए, राहुल गांधी ने कहा, पीएम मोदी, जब आप सार्वजनिक मंच से महिला पत्रकारों को बाहर रखने की अनुमति देते हैं, तो आप भारत की हर महिला को बता रहे हैं कि आप उनके लिए खड़े होने के लिए बहुत कमजोर हैं। उन्होंने कहा कि भारत में महिलाओं को हर क्षेत्र में समानता का अधिकार है और प्रेस कॉन्फ्रेंस के मुद्दे पर केंद्र की चुप्पी की आलोचना की। नेता प्रतिपक्ष गांधी ने कहा, हमारे देश में महिलाओं को हर क्षेत्र में समान भागीदारी का अधिकार है। इस तरह के भेदभाव के सामने आपकी चुप्पी नारी शक्ति पर आपके नारों के खोललपान को उजागर करती है। इससे पहले, कांग्रेस सांसद प्रियंका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए सवाल किया कि अगर भारत में महिला पत्रकारों का इस तरह



बांग्लादेशी लेखिका बोली- तालिबान महिलाओं को इंसान मानते ही नहीं

बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरिन ने कहा कि तालिबान महिलाओं को मानव अधिकार नहीं देते क्योंकि वे महिलाओं को इंसान मानते ही नहीं। नसरिन ने पुरुष पत्रकारों की भी आलोचना की और कहा कि अगर उनमें किसी प्रकार की संवेदना होती तो वे प्रेस कॉन्फ्रेंस छोड़कर विरोध करते। उन्होंने कहा, तालिबान के अनुसार महिलाएं केवल घर पर रहकर बच्चों को जन्म दें और परिवार की सेवा करें। यह एक दमनकारी और महिला विरोधी मानसिकता है।

अपमान होता है, तो केंद्र सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए कैसे प्रतिबद्ध है। एक्स पर एक पोस्ट में प्रियंका गांधी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कृपया तालिबान के प्रतिनिधि के भारत दौरे पर उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस से महिला पत्रकारों को हटाए जाने पर अपनी स्थिति स्पष्ट करें। उन्होंने कहा, अगर महिलाओं के अधिकारों के प्रति आपकी मान्यता एक चुनाव से दूसरे चुनाव तक सिर्फ दिखावा नहीं है, तो फिर हमारे देश में, जहां महिलाएं इसकी

रीढ़ और गौरव हैं, भारत की कुछ सबसे सक्षम महिलाओं का यह अपमान कैसे होने दिया गया? हालांकि, केंद्र ने मुत्तकी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों पर प्रतिबंध लगाने में अपनी किसी भी भूमिका से इनकार किया है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के निमंत्रण मुंबई स्थित अफगानिस्तान के महावाणिज्य दूत द्वारा अफगान मंत्री की यात्रा के लिए दिल्ली स्थित चुनिंदा पत्रकारों को भेजे गए थे।

संक्षिप्त समाचार

ईडी ने रिलायंस पावर के सीएफओ अशोक कुमार पाल को किया गिरफ्तार



नई दिल्ली, 11 अक्टूबर 2025। प्रवर्तन निदेशालय ने रिलायंस पावर लिमिटेड के एजीक्यूटिव डायरेक्टर और चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर अशोक कुमार पाल को गिरफ्तार कर लिया है। ईडी ने पाल पर 68.2 करोड़ के फर्जी बैंक बतौर और इनवॉइसिंग घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया है, जो अनिल अंबानी की रिलायंस ग्रुप से जुड़ा हुआ है। ईडी के अनुसार अशोक कुमार पाल ने रिलायंस ग्रुप से अशोक कुमार पाल को रिलायंस ग्रुप फाइनेंस और रिलायंस कॉमर्सियल फाइनेंस के माध्यम से लगभग 12,524 करोड़ के लोन जारी किए, जिसमें से अधिकांश लोन अनिल अंबानी ग्रुप की कंपनियों को दिए गए थे। जांच एजेंसी का आरोप है कि पाल ने न केवल फर्जी दस्तावेजों को संकरी दी, बल्कि गलत तरीके से फंड ट्रान्सफर करने में भी भूमिका निभाई। ईडी की जांच से यह सामने आया है कि इन कंपनियों के माध्यम से जारी लोन की रकम को घुमाकर वित्तीय लेन-देन में हेराफेरी की गई।

इंडिगो 10 नवंबर से दिल्ली और चीन के ग्वांगझू के बीच संचालित करेगी सीधी उड़ानें



नई दिल्ली, 11 अक्टूबर 2025। देश में किरायाती विमान सेवा प्रदाता इंडिगो एयरलाइन्स ने शनिवार को दिल्ली और चीन के ग्वांगझू के बीच अपनी दैनिक सीधी सविस् शुरू करने का ऐलान किया, जो 10 नवंबर से शुरू होगी। इंडिगो ने 20 दिसंबर 2025 से दिल्ली और हर्नोई के बीच भी दैनिक सीधी सेवा शुरू करने की घोषणा की है। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि नए मार्ग पर एयरबस ए320 विमान का उपयोग किया जाएगा। यह कदम लगभग 5 वर्षों के अंतराल के बाद दोनों देशों के बीच हवाई संपर्क की क्रमिक बहाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे एशिया की दो सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं की राष्ट्रीय राजधानियों के बीच संपर्क बढ़ेगा। इंडिगो की ये घोषणा इस महती की शुरुआत में विदेश मंत्रालय द्वारा भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने की पुष्टि के बाद की गई है। इस घोषणा के बाद दोनों पक्षों ने इस घटनाक्रम को कोरोना महामारी और डोकलाम के बाद संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

पश्चिम बंगाल में मेडिकल स्टूडेंट से गैंगरेज 3 लोगों ने रास्ता रोका, दरिंदगी की, साथ में दोस्त था, वह छोड़कर भाग गया

कोलकाता, 11 अक्टूबर 2025। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर में एक मेडिकल स्टूडेंट के साथ गैंगरेज का मामला सामने आया है। वारदात शुकवार की है। पीड़ित अपने एक पुरुष दोस्त के साथ डिनर पर गई थीं। वापस लौटते समय 3 लोगों ने उनका रास्ता रोका। छात्रा का दोस्त उसे छोड़कर भाग गया, जिसके बाद आरोपियों ने उससे दरिंदगी की। पुलिस ने शनिवार को बताया कि पीड़ित ओडिशा के जलेश्वर की रहने वाली है और दुर्गापुर के एक प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में सेकेंड ईयर की स्टूडेंट है। यह घटना मेडिकल कॉलेज कैम्पस के बाहर हुई। मेडिकल छात्रा का पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस बीच, राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम रविवार को दुर्गापुर जा रही है। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजुमदार ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल को बलात्कारियों और अपराधियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बना दिया है। पुलिस ने



छात्रा बोली- आरोपियों ने फोन वापस करने के लिए पैसे मांगे

छात्रा कॉलेज से रात करीब 8:30 से 9 बजे बाहर गई थीं। रात करीब 10 बजे वापस लौटते समय गैंगरेज की घटना हुई। छात्रा के माता-पिता को देर रात मामले की जानकारी दी गई। वे सुबह दुर्गापुर पहुंचे और दुर्गापुर न्यू टाउनशिप थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस के मुताबिक, छात्रा ने बताया कि जब तीन लोगों ने उसका रास्ता रोका, तो उसका दोस्त उसे अकेला छोड़कर चला गया। फिर आरोपियों ने उसका फोन छीन लिया और उसे जमल में ले गए, जहां तीनों ने उसके साथ रेप किया। आरोपियों ने घटना के बारे में किसी को बताने पर छात्रा को अंजाम भुगतने की धमकी भी दी। फिर उसका मोबाइल फोन वापस करने के लिए पैसे भी मांगे। पुलिस ने बताया कि उन्होंने पीड़ित छात्रा का बयान दर्ज कर लिया है।

बताया कि कल रात पीड़ित की दोस्त से भी पृष्ठताछ की गई है। छष्टझड़ फूटने की जांच कर रहे हैं। सबूत इकट्ठा करने के लिए एक फॉरेंसिक टीम घटनास्थल का दौरा करेगी। अभी तक मामले में किसी आरोपी की पहचान या गिरफ्तारी नहीं हुई है। मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों से भी पृष्ठताछ हो रही है। छात्रा के पिता बोले- कॉलेज में सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं घटना पर छात्रा के पिता ने कहा- हम आज सुबह यहां आए और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मैंने सुना था कि कॉलेज अच्छा है, इसलिए अपनी बेटी को यहां मेडिकल को पढ़ाई के लिए भेजा था। कभी भी सोचा था कि उसके साथ ऐसा कुछ होगा। यहां सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम दुर्गापुर जा रही है ताकि पीड़िता और उसके परिवार से मुलाकात कर सहायता दी जा सके। एमसीडब्ल्यू सदस्य अर्चना मजुमदार ने कहा, बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। पुलिस सक्रिय कदम नहीं उठा रही, यह चिंतानक है।

राष्ट्रमंडल के सभी नागरिक लोकतंत्र, स्वतंत्रता और मानवीय गरिमा के एक ही दीपक से आलोकित हैं : लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर 2025। लोक सभा अध्यक्ष, ओम बिरला ने कहा कि भारत लोकतंत्र और समानता का एक जीवंत उदाहरण है, और संविधान पिछले 75 वर्षों से देश के लिए पथ-प्रदर्शक दीपस्तंभ रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र भारत की आत्मा है, समानता इसका संकल्प है और न्याय इसकी पहचान है। बिरला ने ये टिप्पणियां 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन की आम सभा में राष्ट्रमंडल-एक वैश्विक भागीदार विषय पर प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कीं। इस अवसर पर बिरला ने राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के पीठसीन अधिकारियों को 7 से 9 नवंबर 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित किए जा रहे आगामी राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन, महामारी, खाद्य असुरक्षा और असमानता जैसे वैश्विक संकट सीमाओं से परे हैं और इनके लिए सामूहिक समाधान की आवश्यकता है। बिरला ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि समाधान अलग-थलग रहकर नहीं ढूँढे जा सकते। बिरला ने खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए दुनिया के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात का उल्लेख भी किया कि भारत कभी खाद्यान्न के लिए बाहरी सहायता पर निर्भर था और ऐसे चुनौतीपूर्ण समय से लेकर विश्व शक्ति के रूप में सुस्थापित होने

आमंत्रित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन, महामारी, खाद्य असुरक्षा और असमानता जैसे वैश्विक संकट सीमाओं से परे हैं और इनके लिए सामूहिक समाधान की आवश्यकता है। बिरला ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि समाधान अलग-थलग रहकर नहीं ढूँढे जा सकते। बिरला ने खाद्य और स्वास्थ्य सुरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए दुनिया के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात का उल्लेख भी किया कि भारत कभी खाद्यान्न के लिए बाहरी सहायता पर निर्भर था और ऐसे चुनौतीपूर्ण समय से लेकर विश्व शक्ति के रूप में सुस्थापित होने



का सफर प्रभावशाली रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान भारत के महत्वपूर्ण योगदान को उल्लेख करते हुए, उन्होंने बताया कि भारत ने 150 से ज्यादा देशों को दवाइयों और टीके बांधकर यह सिद्ध किया कि स्वास्थ्य अधिकार है, विशेषाधिकार नहीं। बिरला ने विश्व के सबसे बड़े

लोकतंत्र और सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए गर्व के साथ कहा कि भारत पेरिस समझौते के लक्ष्यों को समय से पहले पूरा करने वाला पहला प्रमुख देश बन गया है। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन जैसी पहलों के माध्यम से, भारत ने पृथ्वी के प्रति वैश्विक जिम्मेदारी पर जोर दिया है। बिरला ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में भारत के प्रयासों के बारे में बताते हुए पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण के प्रावधानों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण पंचायती राज संस्थाओं में 31 लाख निर्वाचित प्रतिनिधियों में से 14 लाख से अधिक महिलाएँ हैं। इसके

अतिरिक्त, उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का भी उल्लेख किया, जिसके अंतर्गत संसद और विधान सभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान किया गया है, और भारतीय लोकतांत्रिक संस्थाओं में युवाओं और महिलाओं को प्राथमिकता दिए जाने पर जोर दिया। बिरला ने कहा कि तकनीक, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल प्लेटफॉर्म, लोकतंत्र को पारदर्शी और प्रभावी बना सकते हैं। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया कि तकनीक मानवता की सेवा करे न कि उस पर हावी हो। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, उन्होंने ऐसे वैश्विक मानक स्थापित करने का समर्थन किया जिससे नवाचार को बढ़ावा देते हुए किसी भी नुकसान को रोका जा सके।

धरा अवतरण
01/09/1942

स्वगरीहण
12/10/2024

हमारे परिवार के वटवृक्ष जिनके आशीर्षों तले हमारा परिवार पल्लवित हुआ

स्मृतिशेष श्री जागेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव
की प्रथम पुण्यतिथि
पर शत-शत नमन एवं कोटि-कोटि चरण वंदन

अश्रुपूजित परिवार: अकृतल श्रीवास्तव (पत्नी), डॉ. जेपी श्रीवास्तव (अनुज),
वीरेंद्र श्रीवास्तव (भतीजा), दिलीप श्रीवास्तव, संदीप श्रीवास्तव (पुत्र),
स्वजन श्रीवास्तव, प्रजन श्रीवास्तव (भतीजा), सुचन, सखन, शुभ, शौर्य (पौत्र)
पता- सीताराम फर्नीचर, सीताराम सुपर बाजार कलेक्टर बंगला के पास छतरपुर म.2273

न्याय पाना हर नागरिक का मौलिक अधिकार : मोहन यादव

भोपाल, 11 अक्टूबर 2025। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि न्याय पाना देश के हर नागरिक का मौलिक बुनियादी, मानवीय, नागरिक और संवैधानिक अधिकार है। भारत की संघीय शासन व्यवस्था का आधार ही सबके जीवन, भोजन और स्वास्थ्य के अधिकारों की समान रूप से न्यायपूर्ण रक्षा करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में आयोजित इवोल्यूटिंग होराइजन: नेटिवेटिंग कॉम्प्लेक्सिटी एंड इनोवेशन इन कमर्शियल एंड आर्बिट्रेशन लॉ इन द डिजिटल वर्ल्ड विषय पर आयोजित विधि विशेषज्ञों की अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोक कल्याणकारी राज्य का पहला दायित्व है कि देश का कोई भी व्यक्ति न्याय पाने से वंचित न रहे। न्याय और सुशासन न केवल राष्ट्र और समाज को मजबूत करते हैं।

भारत को आत्मनिर्भर बनाना हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकता है : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर 2025। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू आज दिनांक 11 अक्टूबर, 2025 को अहमदाबाद में गुजरात विद्यापीठ के 71वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने गुजरात विद्यापीठ को राष्ट्र निर्माण एवं आत्मनिर्भरता के जीवंत आदर्शों का ऐतिहासिक प्रतीक कहा। उन्होंने कहा कि गुजरात विद्यापीठ परंपरा हमारे स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों की पवित्र भूमि रही है। उन्होंने महात्मा गांधी की पवित्र स्मृति को श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात विद्यापीठ के छात्रों से कहा कि उन्हें इस बात से अवगत रहना चाहिए कि बापू उनसे राष्ट्रीय पहलों में योगदान की अपेक्षा रखते थे। राष्ट्रपति ने कहा कि बापू की अपेक्षाओं को अनुरूप छात्रों को



राष्ट्र के विकास से संबंधित सभी पहलों में अग्रणी भूमिका निभाने चाहिए। उन्होंने छात्रों को देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लेने की सलाह दी। राष्ट्रपति ने उल्लेख किया कि गुजरात में लंबे समय से स्वरोजगार की संस्कृति रही है। उन्होंने गुजरात की स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने वाली संस्कृति को पूरे देश में फैलाने की

आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि गुजरात विद्यापीठ के छात्र इस आत्मनिर्भरता की संस्कृति के अग्रदूत बनेंगे। उन्होंने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर बनाना हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकता है और छात्रों से आग्रह किया कि वे राष्ट्रीय स्वदेशी अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

सरगुजा-समाचार

अम्बिकापुर, रविवार 12 अक्टूबर 2025

3

सरगुजा में कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान शुरू, जिला अध्यक्ष चयन को लेकर रायशुमारी तेज

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 11 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के संगठन सृजन अभियान के तहत सरगुजा जिले में शनिवार से जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर रायशुमारी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस प्रक्रिया के लिए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर के नेतृत्व में चार सदस्यीय पर्यवेक्षक समिति अम्बिकापुर पहुंच चुकी है। यह समिति कांग्रेस जिला कार्यालय, राजीव भवन में बैठकों का दौरा कर रही है और जिले भर के पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित कर रही है। इस प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है। राजेश ठाकुर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि संगठन सृजन का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर फिर से मजबूत करना, कार्यकर्ताओं को जनसमस्याओं से जोड़ना और उन्हें आम जनता के सुख-दुख का सहभागी बनाना है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी और एआईसीसी पदाधिकारियों ने अहमदाबाद में हुए अधिवेशन में वर्ष 2025 को संगठन सृजन वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। इसी क्रम में देश के कई राज्यों में यह अभियान आरंभ हो चुका है और अब छत्तीसगढ़ में भी इसकी शुरुआत हो रही है। ठाकुर ने कहा कि प्रत्येक जिले में पर्यवेक्षक भेजे गए हैं, जो जिला, ब्लॉक और



बृथ स्तर तक कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेंगे। यह जाना जाएगा कि संगठनात्मक कार्यों में किसकी कैसी भागीदारी रही है। रायशुमारी का मकसद यह जानना है कि संगठन में किस नेता या कार्यकर्ता का जुड़ाव जनता और जमीनी स्तर से कितना मजबूत है। कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे में आमूलचूल परिवर्तन की जरूरत पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि नेतृत्व ऐसा हो, जो जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल सके और जनहित की लड़ाई लड़ सके। इस अवसर पर संगठन सृजन अभियान को गति देने पहुंचे छत्तीसगढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनंजय साहू, भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडवी, पूर्व संगठन मंत्री अमरजीत चावला, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, कांग्रेस जिला अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, खेलसाय सिंह, पूर्व महापौर डॉ. अजय तिवारी, राकेश गुप्ता, अजय अग्रवाल, जेपी श्रीवास्तव, भानुप्रताप सिंह, अनूप मेहता सहित कई अन्य नेता मौजूद थे।

जिसकी जितनी आबादी, उसकी उतनी हिस्सेदारी

राजेश ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी की 1100 किलोमीटर लंबी 'न्याय यात्रा' से यह स्पष्ट हुआ कि पार्टी को हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करनी है। इसी सोच को संगठनात्मक स्तर पर लागू किया जा रहा है। संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत तैयार की गई रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस और एआईसीसी को सौंपी जाएगी, जिसके आधार पर नए जिला अध्यक्ष का चयन किया जाएगा।

नया नेतृत्व, नई ऊर्जा

अध्यक्ष पद को लेकर उम्र सीमा पर पुछे गए सवाल पर ठाकुर ने स्पष्ट किया कि संगठनात्मक नियुक्तियों में 50 वर्ष से कम उम्र के लोगों को वर्यता दी जाएगी, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि अनुभवी कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जोश और जमीनी जुड़ाव ज्यादा मायने रखता है, उम्र नहीं। संगठन को समावेशी बनाना जरूरी है ताकि सभी को लगे कि वे इसके अभिन्न अंग हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस संगठन को केवल

एक जिले तक सीमित न रखते हुए प्रदेश स्तर पर मजबूत किया जाना चाहिए। रायशुमारी के माध्यम से यह देखा जाएगा कि कौन कार्यकर्ता केवल नेताओं से जुड़ा है और कौन वास्तव में जनता व कार्यकर्ताओं से जुड़ा हुआ है।

युवा और नए चेहरों को मिलेगा मौका

संगठन सृजन अभियान के तहत 50 प्रतिशत नए चेहरों को शामिल करने और 50 प्रतिशत से अधिक युवा नेतृत्व को मौका देने की योजना है। इससे पार्टी में नई ऊर्जा का संचार होगा और जमीनी स्तर पर मजबूती आएगी।

कांग्रेस संगठन सृजन की हलचल

पर्यवेक्षक दल पहुंचा सरगुजा, युवाओं और अनुभव दोनों को मिलेगी तरजीह



-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 11 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने संगठन सृजन अभियान के तहत नए जिलाध्यक्ष की नियुक्ति की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसी क्रम में सरगुजा जिले में पर्यवेक्षक दल का आगमन हुआ, जहां झारखंड कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व पीसीसी अध्यक्ष धनंजय साहू, भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडवी और पूर्व संगठन मंत्री अमरजीत चावला शामिल हैं। इस दल ने जिला कांग्रेस कार्यालय में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ रायशुमारी की।

युवाओं के साथ अनुभव को भी मिलेगा महत्व : प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजेश ठाकुर ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस का संगठन अब जनभागीदारी और संवाद के आधार पर सशक्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि

संगठनात्मक चुनाव केवल ऊपर से नहीं थोपे जाएंगे। हर वर्ग, समुदाय और क्षेत्र की राय लेकर फैसला होगा। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे जी की मंशा है कि युवाओं को नेतृत्व मिले, लेकिन अनुभव की अनदेखी नहीं होगी।

टीएस सिंहदेव की पसंद, बन सकते हैं फिर से बालकृष्ण पाठक

फिलहाल सरगुजा जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक हैं, जिन्हें करीब 6 महीने पहले ही यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी। वे टीएस सिंहदेव के करीबी माने जाते हैं और उनके कार्यकाल में जिले में कांग्रेस की सक्रियता बढ़ी है। सूत्रों के अनुसार, टीएस सिंहदेव की पहली पसंद आज भी बालकृष्ण पाठक ही हैं और पांच नामों के पैल में भी उनका नाम प्रमुख रूप से शामिल होने की संभावना है।

दो गांजा तस्कर आय पुलिस के गिरफ्त में यात्री बस को जरिया बनाकर कर रहे थे तस्करी एंडडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर भेजा सलाखों के पीछे

-संवाददाता-

वाडफनगर, 11 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

कोरबा से बनारस जा रही बस वाहन से बैग में छुपा कर अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करने वाले उत्तर प्रदेश के दो आरोपियों को गिरफ्तार अपराध क्रमांक 188/2025 धारा 20B एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर भेजा सलाखों के अंदर। जानकारी के अनुसार वाडफनगर पुलिस को दिनांक 10/10/25 की रात मुखबिर से सूचना मिली कि कोरबा से दो लड़के बैग में गांजा लेकर कोरबा से बनारस जाने वाली बस शिव शक्ति महिंद्रा में सफर कर रहे हैं, सूचना पर तत्काल वाडफनगर पुलिस के द्वारा एक्शन मोड में आते हुए गवाहों को बुलाकर नाकाबंदी शुरू की गई तथा रात करीब 12.30 बजे पुलिस चौकी वाडफनगर के सामने शिव शक्ति महिंद्रा बस के आने के पश्चात उसकी तलाशी ली गई तलाशी के दौरान पहले नंबर अपर बर्थ पर दो व्यक्ति जिसका नाम नीतिश चंद्र और दीपक शर्मा है अपने पास एक एक बैग रखे थे जिसमें अवैध मादक पदार्थ गांजा 2,100-2,100 किलोग्राम कुल 4,200 किलोग्राम उनके कब्जे से बरामद किया गया पुलिस चौकी वाडफनगर में दोनों आरोपियों नीतिश चंद्र पिता प्रकाश चंद्र उम्र 19 वर्ष निवासी नदीहार थाना राजगढ़ जिला मिर्जापुर उत्तर प्रदेश तथा दीपक शर्मा पिता जयदेव शर्मा उम्र 24 वर्ष निवासी झांझड़ा थाना सुकृत जिला सोनभद्र उत्तर प्रदेश के



विरुद्ध अपराध क्रमांक 188/25 धारा 20 B NDPS एक्ट काम कर विवेचना में लिया गया पुछताछ पर आरोपी उक्त गांजा उड़ीसा से लाना बताएँ तथा उत्तर प्रदेश में ले जाकर बेचना बताएँ उपरोक्त दोनों आरोपियों दिनांक 11/10/25 को गिरफ्तार कर रामानुजगंज न्यायालय में पेशकर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। कार्यवाही में उप निरीक्षक धीरेंद्र तिवारी सहायक उप निरीक्षक पुष्पराज सिंह रामजीत राम आरक्षक अंकित जायसवाल देव कुमार राम गोपाल सैनिक धीरेन्द्र तिवारी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में साइबर सुरक्षा व महिला सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 11 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देशन में छात्र-छात्राओं को विधिक अधिकार, यातायात नियम, साइबर सुरक्षा, नवीन कानून संहिता और महिला सुरक्षा से संबंधित जानकारी देने हेतु विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में साइबर वॉलंटियर एवं महिला पुलिस स्टाफ द्वारा एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन व माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया। मुख्य वक्ता साइबर वॉलंटियर एवं पुलिस मितान अतुल गुप्ता ने विद्यार्थियों को डिजिटल सुरक्षा के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया फ्रॉड, ओटीपी शेयरिंग, फिशिंग लिंक, लोन एप्स, फर्जी कॉल्स, गैमिंग और बेटींग साइट्स जैसे साइबर अपराधों के बारे में बताया और कहा कि इनसे बचने के लिए महिलाओं से जुड़े साइबर अपराध जैसे ऑनलाइन उत्पीड़न, ब्लैकमेलिंग और फर्जी साइबर अपराध की शिकायत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर क्राइम पोर्टल पर की जा सकती है। इसके अलावा



महिला हेल्पलाइन 181, डायल 112 और 'अभिव्यक्ति' मोबाइल एप के माध्यम से भी सहायता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम में महिला थाना अम्बिकापुर की आरक्षक सविता मरावी और लोरेता एक्का ने छात्राओं को महिलाओं से जुड़े साइबर अपराध जैसे ऑनलाइन उत्पीड़न, ब्लैकमेलिंग और फर्जी साइबर अपराध से संबंधित अपराधों से बचाव के तरीके बताए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपतजनक घटना की रिपोर्ट करने में

हिचकिचाना नहीं चाहिए क्योंकि सरगुजा पुलिस त्वरित सज्जन लेकर कार्रवाई करती है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को डिजिटल दुनिया की वास्तविक चुनौतियों से अवगत कराते हैं और उन्हें सतर्क नागरिक बनाते हैं। कार्यक्रम में छात्रों को वास्तविक केस स्टडीज के माध्यम से जागरूक किया गया। अंत में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई कि वे खुद और अपने

परिवार को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखेंगे और समाज में भी जागरूकता फैलाएंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी रानी राजक, सहायक अधिकारी सीमा बजारे, शिक्षकों में मिथलेश गुर्जर, उर्मिला यादव, सुप्रिया सिंह, पूजा रानी, अर्चना सोनवानी, गोलडन सिंह सहित कई शिक्षक-शिक्षिकाएँ, एनएसएस स्वयंसेवक, छात्र-छात्राएँ और साइबर वॉलंटियर टीम के सदस्य विक्की गुप्ता, श्रुति तिवारी और अनमोल बारी उपस्थित रहे।



आईजी ने सूरजपुर में सीसीटीएनएस प्रशिक्षण का किया शुभारंभ

-संवाददाता-

सूरजपुर, 11 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

पुलिस अधिकारी व जवानों को सीसीटीएनएस में तकनीकी रूप से दक्ष बनाने हेतु सूरजपुर पुलिस के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ शुक्रवार को आईजी दीपक झा ने किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को तकनीकी कार्यों के लिए प्रशिक्षित कर थानों के कार्यों में गति लाना है। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर द्वारा सीसीटीएनएस के तकनीकी कौशल से सभी को प्रशिक्षित करने के लक्ष्य को लेकर इसकी रूपरेखा बनाई है जिसमें सभी थानों के पुलिस अधिकारी व जवानों को बारी-बारी से पुलिस कन्ट्रोल रूम में प्रशिक्षित किया जाएगा। शुभारंभ अवसर पर आईजी ने प्रशिक्षणार्थियों को कहा कि सीसीटीएनएस से जुड़े कार्यों का यह प्रशिक्षण वर्तमान समय की जरूरत है ताकि सभी विवेचना से जुड़े अपने कार्यों को सरलता से सीसीटीएनएस में अपलोड कर सकें। प्रशिक्षण में ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया, अपराध विवरण, केस डायरी, चार्जशीट, फाइल रिपोर्ट, एनसीओर, सिटीजन पोर्टल आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे सभी तकनीकी रूप से दक्ष होंगे और सीसीटीएनएस से जुड़े सभी कार्यों को सरलता से कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में ऐसे प्रशिक्षण सरगुजा रेंज के सभी जिले में प्रारंभ कराया जाएगा। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, सीएसपी एसएस पैकरा, सीसीटीएनएस प्रभारी, पुलिस के अधिकारीगण मौजूद रहे।

अवैध शराब व नशीले इंजेक्शन के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 11 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

आबकारी विभाग के संभागीय उडनदस्ता टीम ने दो प्रकरण में नशीले इंजेक्शन व अंग्रेजी शराब के साथ दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। टीम ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार संभागीय आबकारी उडनदस्ता टीम 11 अक्टूबर को गश्त पर निकली थी। इस दौरान सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता को मुखबिर से जानकारी मिली की बघिमा स्थित जमाना ढाबा से अवैध विदेशी शराब की बिक्री की जा रही है। मुखबिर की सूचना पर टीम ने ढाबे पहुंचकर छापेमारी की। इस दौरान ढाबे में संचालक नहीं था। ढाबे की देखरेख अरुण सिंह कर रहा था। छापेमारी के दौरान टीम ने



13 नग बियर, दो नग व्हिस्की बॉटल तथा 10 पाय दूधरे ब्रांड का व्हिस्की बरामद किया है। अवैध शराब बिक्री के मामले में टीम ने अरुण सिंह को गिरफ्तार किया है। वहीं दूसरे मामले में बूढ़ा बगीचा राजपुर निवासी सूरज सोनी अपनी दुकान एवं घर से

नशीला इंजेक्शन बिक्री करने की सूचना टीम को मिली थी। उडनदस्ता टीम ने छापेमारी कर 106 नग नशीले इंजेक्शन जब्त किया है। मामले में टीम ने आरोपी सूरज सोनी को गिरफ्तार किया है। दोनों प्रकरण के आरोपियों के खिलाफ टीम ने

एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में आबकारी उप निरीक्षक टीआर के.हेरि, मुख्य आरक्षक रमेश दुबे, अशोक सोनी, नगर सैनिक गणेश पांडेय, रणविजय सिंह, ओम प्रकाश गुप्ता शामिल रहे।

सरस्वती साइकिल योजना के बालिकाओं को मिली साइकिल

-संवाददाता-

लखनपुर, 11 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

लखनपुर विकासखंड के अंतर्गत स्थित हाई स्कूल लंगा में शनिवार को छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत बालिकाओं को साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 26 बालिकाओं को निशुल्क साइकिल प्रदान की गई, जिससे वे अब आसानी से विद्यालय आ-जा सकेंगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी एवं जनपद उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े उपस्थित रहे। सर्वप्रथम मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात स्कूली छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसमें बालिकाओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि दिनेश बारी ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को अनुशासन, संस्कार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा



के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा दी तथा विद्यालय प्रशासन को शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं जनपद उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुरेश जयसवाल ने भी विद्यालय से संबंधित योजनाओं पर संक्षिप्त में प्रकाश डाला। इस अवसर पर जनपद सदस्य

राजेंद्र सिंह, मंडल उपाध्यक्ष लक्ष्मण साहू, शिवराज सिंह, शाला विकास समिति के सदस्य मान सिंह, सरपंच प्रतिनिधि धनेश्वर सिंह, स्कूल प्रभारी खगेश सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ एवं अभिभावक उपस्थित रहे। सरस्वती साइकिल योजना के माध्यम से बालिकाओं को न केवल स्कूल आने-जाने में सुविधा मिलती है, बल्कि यह योजना बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने और विद्यालय में नामांकन एवं उपस्थिति दर बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध हो रही है।

स्कूल में पीलिया से हड़कंप: सातवीं की छात्रा की मौत, कई बच्चों की हालत नाजुक

-संवाददाता-

बलरामपुर, 11 अक्टूबर 2025
(घटती-घटना)।

रघुनाथनगर स्थित स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में पीलिया का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा की पीलिया से मौत हो गई, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। इससे पहले कई बच्चों के पीलिया ग्रसित होने का मामला लल्लुराम डॉट कॉम ने उठाया था, लेकिन प्रशासन को उदासीनता के चलते एक बच्ची की मौत हो गई और अन्य कई बच्चों पर बीमारी से मौत का साया मंडा रहा है। जानकारी के अनुसार, स्कूल में गंदा और



दूषित पानी पीने से दर्जनों छात्रों में पीलिया फैल गया था। इस संबंध में लल्लुराम डॉट कॉम ने पहले भी खबर प्रकाशित कर प्रशासन को चेताया था, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। अब स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि बच्चों की मौत पर बन आई है। परिजनों ने स्कूल प्रशासन और शिक्षा विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है।

केन्द्रीय जेल में बंदियों ने देशभक्ति गीतों से दी शहीदों को श्रद्धांजलि



-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 11 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती समारोह के अवसर पर 3 से 10 अक्टूबर तक केन्द्रीय जेल अम्बिकापुर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान जेल में निर्मित विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी जेल एम्पोरियम में लगाई गई, जिसे आगंतुकों ने सराहा। कार्यक्रम के दौरान 6 अक्टूबर को केन्द्रीय जेल के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस

स्वीच्छक रक्तदान कार्यक्रम में जेल अधीक्षक अश्वय सिंह राजपूत सहित कुल 15 जेल कर्मचारियों ने भाग लेकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाई। वहीं 9 अक्टूबर को एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर बंदियों द्वारा देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई, जिसने पूरे माहौल को देशप्रेम से ओतप्रोत कर दिया। कार्यक्रम में आईजी दीपक झा, एसपी राजेश अग्रवाल सहित जेल स्टाफ की उपस्थिति रही।



वाह रे सरकार...दिसम्बर से सेमेस्टर की परीक्षाएं और अक्टूबर तक नहीं हुई व्याख्याताओं की नियुक्ति

- क्या इस वर्ष महाविद्यालय के छात्रों का भविष्य रहेगा अधर में?
- क्या इस साल महाविद्यालयों में नहीं शुरू हो पायेगा अध्यापन कार्य?

-राजन पाण्डेय-

रोक लगा कर भूल गया उच्च शिक्षा विभाग

कोरिया, 11 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)। सितंबर माह बीत गया अक्टूबर के भी 10 दिन बीत गए दशहरा अवकाश भी बीत गया कुछ दिन में दीपावली की छुट्टियां लग जाएगी,मिली जानकारी अनुसार बीए,बीएससी और बी कॉम की प्रथम और तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं दिसम्बर में सम्भावित हैं। लेकिन सरगुजा सम्भाग के अधिकांश महाविद्यालयों में अभी तक पढ़ाई शुरू नहीं हुई है,विज्ञान संकाय का तो और बुरा हाल है प्राणी शास्त्र जीव विज्ञान वनस्पति विज्ञान रसायन एवं भौतिकी के छात्रों का बुरा हाल है क्योंकि पढ़ाई अभी तक शुरू नहीं हुई है। अब सवाल यह है कि पढ़ाई क्यों शुरू नहीं हुई तो इसका जवाब है कि अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति नहीं हुई। अब सवाल उठता है कि नियुक्ति क्यों नहीं हुई तो सुत्रों से जवाब मिलता है कि सब प्रक्रिया पूरी है लिस्ट भी तैयार है लेकिन रोक ऊपर से लगी है।

उसके बाद फिर सवाल उठता है कि ये ऊपर वालों को छात्रों के भविष्य की चिंता है भी या नहीं, कहने को इस समय छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सुरासन वाली सरकार है लेकिन सुरासन की इस सरकार में छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ क्यों किया जा रहा है इसका जवाब किसी के पास नहीं है, अक्टूबर आने को है अभी तक कालेजों में अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति नहीं हुई है,आगे नियुक्ति होगी भी या नहीं इसकी जानकारी नहीं है,और होती है तो इतने कम समय में कोर्स पूरा होना तो दूर आधा भी पढ़ाया जा सकेगा या नहीं यह विचारणीय प्रश्न है। लेकिन शायद विभाग को इन सब चीजों से कोई सरोकार नहीं है क्योंकि नुकसान होगा भी तो छात्रों का होगा अधिकारियों का नहीं। हाल ही में अतिथि व्याख्याताओं की भर्ती प्रक्रिया को लेकर प्रदेशभर में सवाल उठे थे। कई अभ्यर्थियों और संगठनों ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि नियुक्ति में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही। इन्हें शिकायतों के आधार पर शासन ने यह कदम उठाया है।

इस संबंध में मिली जानकारी अनुसार छत्तीसगढ़ आयुक्त उच्च शिक्षा संचालनालय द्वारा 24 अगस्त को समस्त प्राचार्य छत्तीसगढ़ शासकीय महाविद्यालय के नाम एक पत्र जारी कर जिन विद्यालयों में अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति नहीं हुई है वहां पर नियुक्ति करने पर रोक लगा दिया गया है। इस संबंध में मिली जानकारी अनुसार राज्य शासन के संदर्भित आदेश के द्वारा अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर शासकीय महाविद्यालयों में नियुक्त अतिथि व्याख्याताओं की, अतिथि व्याख्याता नीति 2024 के परिप्रेक्ष्य में नियुक्ति की जांच हेतु संभावगवार जांच समिति गठित की गई है, जिसका प्रतिवेदन जांच समिति को 07 दिवस के भीतर प्रस्तुत किया जाना था तब तक के लिए जिन महाविद्यालयों में अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है, को तत्काल प्रभाव से रोका गया है साथ ही ऐसे महाविद्यालय जहां अतिथि व्याख्याताओं के नियुक्ति पत्र जारी किये जा चुके हैं, उन महाविद्यालयों में इसका कोई प्रभाव नहीं होगा।

क्या है मामला

विभाग ने अपने जारी आदेश में विभिन्न शिकायतों का हवाला दिया है लेकिन शिकायत किस विषय पर की गई है इसका उल्लेख नहीं किया गया है सूत्र बताते हैं कि उक्त मामला अब बाहरी और स्थानीय की लड़ाई का है दरअसल अतिथि व्याख्याता भर्ती हाल ही में जारी आदेश के अनुसार अतिथि व्याख्याता भर्ती में अब केवल समान अंक होने पर ही छत्तीसगढ़ के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। पहले के नियम में स्थानीय उम्मीदवारों को सीधी प्राथमिकता दी जाती थी, इस बदलाव के बाद बाहरी राज्यों के अभ्यर्थियों को बराबरी का मौका मिल गया,इसके कारण तरह तरह की शिकायतें हुई हैं।

समझिए पुराना और नया नियम

पहले जारी विज्ञापन में यह स्पष्ट किया गया था कि भर्ती प्रक्रिया में छत्तीसगढ़ के निवासियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसी भरोसे पर प्रदेशभर के नेट और सेंट पास अभ्यर्थियों ने आवेदन किया। लेकिन हालिया आदेश में शर्त बदल दी गई है,अब केवल समान अंक होने की स्थिति में ही छत्तीसगढ़ के उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी, अन्यथा बाहरी राज्यों के अभ्यर्थी भी बराबरी से दावेदार होंगे, यानी पहले की नीति में स्थानीय युवाओं को सीधी प्राथमिकता मिलती।

आदेश के मुख्य बिंदु

- जिन महाविद्यालयों में अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति की कार्यवाही प्रक्रिया में है, उसे तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है।
- जिन महाविद्यालयों में पहले ही अतिथि व्याख्याताओं को नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं,वहाँ यह आदेश प्रभावी नहीं होगा।
- जांच समिति से कहा गया है कि वह अतिथि व्याख्याता नीति 2024 के परिप्रेक्ष्य में हुई नियुक्तियों की गहन जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

भर्ती प्रक्रिया और ज्वाइनिंग होने में लगेगा काफी समय

सूत्रों की माने तो भर्ती प्रक्रिया और ज्वाइनिंग होने में अभी काफी समय लग सकता है, क्योंकि एक अभ्यर्थी ने दर्जनों भर कालेजों में अपना फार्म जमा किया है। मेरिट आधार पर कई कालेजों में एक व्यक्ति का नाम मेरिट पर आ सकता है,लेकिन वो ज्वाइनिंग एक ही कालेज में कर सकेगा,ऐसे में कालेज के प्राचार्य को मेरिट लिस्ट के कडीडेट को एक एक करके ज्वाइनिंग के लिए बुलाना होगा और यदि पहले नम्बर का कडीडेट ज्वाइन नहीं करता है तो निम्नानुसार दूसरे को बुलाना होगा इस तरह प्रत्येक कडीडेट को कम से कम सात से दस दिन का समय देना होगा। ऐसी स्थिति में छात्रों का कोर्स पिछड़ना स्वाभाविक है।

अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति नहीं होने से कालेजों में बन्द है अधिकांश कक्षाएं, क्या उच्च शिक्षा विभाग को छात्रों के भविष्य की चिंता है?

अक्टूबर माह के 10 दिन बीत गए अभी तक पढ़ाई शुरू नहीं, दिसंबर होनी है सेमेस्टर परीक्षा, महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के भविष्य से हो रहा खिलवाड़



क्या कमेटी ने अपना प्रतिवेदन जमा कर दिया ?
उच्च शिक्षा विभाग आयुक्त कार्यालय से 24 अगस्त को आदेश जारी किया गया था जिसके अनुसार जांच कमेटी को 7 दिवस में अपना प्रतिवेदन जमा करना था लेकिन 7 दिवस से अधिक हो गए अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। ऐसे में छात्रों को पढ़ाई ठप है कालेज में शिक्षक नहीं है जब शिक्षक आएंगे तो पढ़ाई शुरू हो जाएगी।

नुकसान तो महाविद्यालय के छात्रों का हो रहा

बहरहाल शिकायतें तो भी हो पर अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति में नुकसान तो छात्रों का हो रहा है। एक तो वैसे भी सरकारी महाविद्यालय स्टाफ की कमी से जुड़ा रहे हैं ऊपर से भर्ती पर रोक,ऐसे में नियुक्ति में ज्यादा विलम्ब हुआ तो छात्रों का कोर्स कैसे पूरा होगा यह बड़ा सवाल है। और छात्रों का कोर्स पूरा नहीं हुआ तो यह भी तय है इसका असर परीक्षा परिणाम और छात्रों के भविष्य पर पड़ेगा।

आखिर किस तथ्य की जांच करेगी कमेटी

जांच कमेटी आखिर किस तथ्य की जांच करेगी यह बड़ा सवाल है क्योंकि जहां भर्तियां हो गई हैं वहां जांच नहीं की जा रही जबकि कायदे से जांच वही की जानी चाहिए थी जहां भर्ती हो चुकी है। और भर्ती हुई तो शासन के नियम और गाइड लाइन के अनुसार हुई या नहीं, लेकिन यहां तो जहां भर्ती नहीं हुई है वहां जांच चल रही और जहां भर्ती हो चुकी उसे बिना जांच के सही मान लिया गया है।

सरगुजा सम्भाग में सरकारी कॉलेजों पर निर्भरता

सरगुजा सम्भाग में ग्रामीण और आदिवासी अंचल ज्यादा है ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों के लोग सरकारी कॉलेजों पर ही निर्भर हैं। मजदूरों किसानों और मध्यम वर्गीय परिवार के बच्चे ज्यादा हैं जो बड़े कालेजों की बजाय सरकारी कॉलेजों के रुख करते हैं और सरकारी व्यवस्थाओं पर ही उनकी निर्भरता रहती है। ऐसी स्थिति में यदि अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति में देरी होती है तो इसका सीधा असर कई ग्रामीण छात्र-छात्राओं पर पड़ता है। ग्रामीण अंचल के छात्र छात्राओं ने एक स्वर में शासन से जल्द अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति कर कालेजों में अध्यापन कार्य प्रारंभ कराए जाने की मांग किया है।

अन्तर्राष्ट्रीय समाचार

अमेरिका के नए राजदूत ने पीएम मोदी से मुलाकात की ट्रम्प के साइन वाली तस्वीर भी दी,इस पर लिखा- प्रधानमंत्री मोदी आप महान हैं

नई दिल्ली, 11 अक्टूबर 2025। अमेरिका के नए नॉमिनेटेड राजदूत सर्जियो गोर ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। गोर ने पीएम मोदी को एक तस्वीर भी भेंट की। इस तस्वीर में मोदी और ट्रम्प प्रेस कॉन्फ्रेंस करते नजर आ रहे हैं। इस पर ट्रम्प का संदेश और हस्ताक्षर थे, जिसमें लिखा था- प्रधानमंत्री मोदी आप महान हैं। पीएम मोदी ने इस मौके पर कहा कि उन्हें विश्वास है कि गोर के कार्यकाल में भारत-अमेरिका के संबंध और मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, अमेरिका के राजदूत-निर्धारित श्री सर्जियो गोर का भारत में स्वागत करने के खुशी हुई। मुझे भरोसा है कि उनके कार्यकाल में भारत-अमेरिका की साझेदारी और मजबूत होगी।

जयशंकर और विदेश सचिव से भी मिले गोर

इससे पहले सर्जियो गोर ने आज विदेश मंत्री जयशंकर और विदेश सचिव विक्रम मिश्रा से भी मुलाकात की। इन बैठकों में दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा हुई। अमेरिका के राजदूत गोर का अमेरिकी दूतावास ने भी आधिकारिक रूप से स्वागत किया और कहा कि वह भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे। गोर का अमेरिकी दूतावास ने भी आधिकारिक रूप से स्वागत किया और कहा कि वह भारत-अमेरिका संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे। गोर ने एरिक गासेंटी की जगह ली है। वे मई 2023 से जनवरी 2025 तक भारत में अमेरिका के राजदूत रहे। ट्रम्प ने भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में सर्जियो गोर को करीब 7

महीने की देरी के बाद नियुक्त किया है। जबकि ट्रम्प ने चीन समेत कई देशों में दिसंबर, 2024 में ही राजदूत नियुक्त कर दिया था। माना जा रहा है कि गोर भारत में अमेरिका फर्स्ट एजेंडे की आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। गोर ने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रम्प के लिए फंड जुटाने में भी बड़ी भूमिका निभाई। वे ट्रम्प के खास माने जाते हैं उनकी 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के कट्टर समर्थक हैं। गोर व्हाइट हाउस में नियुक्तियों की जांच-परख में भी शामिल रहे हैं। उन्हें ट्रम्प की टीम में पदों के पीछे सबसे ताकतवर शक्तियों में से एक माना जाता है। गोर को ऐसे समय में भारत में अमेरिका का राजदूत बनाया जा रहा है जब टेरिफ को लेकर अमेरिका से उसका विवाद चल रहा है। कुछ दिन पहले ही अमेरिका के व्यापार वार्ताकारों की 25-29 अगस्त को भारत यात्रा अचानक रद्द कर दी गई थी।

बेटे जूनियर ट्रम्प के दोस्त हैं गोर

गोर, ट्रम्प के बेटे ट्रम्प जूनियर के दोस्त हैं। दोनों ने मिलकर 'बिनिंग टीम पब्लिशिंग' नाम की कंपनी शुरू की थी, जो ट्रम्प की किताबें प्रकाशित करती है। इस कंपनी की किताबें महंगी मानी जाती है। सबसे सस्ती किताब की कीमत भी करीब 6500 रुपए है। इसी कंपनी के जरिए ट्रम्प ने अब तक तीन किताबें छपवाई हैं, जिनमें एक किताब में उनकी वह मशहूर तस्वीर है जब पेनसिल्वेनिया में रैली के दौरान उन पर जानलेवा हमला हुआ था और खून से लथपथ हालत में उन्होंने मुड़ी बांधकर ताकत दिखाने वाला पोज दिया था। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रम्प ने गोर को



प्रेसिडेंसियल पर्सनल ऑफिस का डायरेक्टर बनाया। यह पद बहुत ताकतवर माना जाता है, क्योंकि इसके जरिए यह तय होता है कि सरकार में कौन-कौन लोग अहम पदों पर आएंगे। इस बार ट्रम्प ने सबसे ज्यादा ध्यान खुद में निखार रखने वाले शास्त्र को चुनने पर दिया। दरअसल,

पाकिस्तान में पुलिस फायरिंग से 11 प्रदर्शनकारियों की मौत

इस्लामाबाद, 11 अक्टूबर 2025। पाकिस्तान कट्टरपंथी संगठन तहरीक-ए-लब्बिक पाकिस्तान के सदस्यों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प में 11 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा कई घायल हुए। इससे पहले 2 लोगों की मौत की खबर थी। ये प्रदर्शनकारी गाजा में ट्रम्प के पीस प्लान का विरोध कर रहे थे। दरअसल पाकिस्तान ने इस प्लान का समर्थन किया है। इसे लेकर देश में तनाव बढ़ गया है। टीएलपी समर्थकों ने शुक्रवार को अमेरिकी दूतावास की तरफ मार्च करने की कोशिश की। इसे लेकर उनकी पुलिस से झड़प हो गई, जो शनिवार तक जारी रही। टीएलपीने आरोप लगाया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर बेतरतीब फायरिंग की। टीएलपीका कहना है कि 11 सदस्य मारे गए और 50 से अधिक घायल हुए। मार्च को रोकने के लिए सरकार ने राजधानी की ओर जाने वाली प्रमुख सड़कें ब्लॉक कर दी और इस्लामाबाद व रावलपिंडी में मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी।

टीएलपीनेता को गिरफ्तार करने की कोशिश की तो हिंसा भड़की

इस प्रदर्शन की शुरुआत तब हुई,जब गुरुवार देर रात पंजाब पुलिस ने टीएलपी मुख्यालय पर छपा मारकर इसके नेता साद रिजवी को गिरफ्तार करने की कोशिश की। साद निकल गया, लेकिन पुलिस और साद समर्थकों के बीच हुई झड़पों में कई लोग घायल हुए, जिनमें करीब 10 से ज्यादा पुलिसकर्मी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि शहर के अंदर और बाहर की सड़कें बंद कर दी गई हैं। दंगा रोकने के लिए पुलिस को प्रमुख रास्तों पर तैनात किया गया और सरकारी दफ्तरों व विदेशी दूतावासों वाले रेड जोन को पूरी तरह सील कर दिया गया। गृह मंत्रालय ने



एक आदेश में कहा कि रात 12 बजे से आगे आदेश तक इस्लामाबाद और रावलपिंडी में 3त/4त सेवाएं बंद रहेंगी।

रावलपिंडी में भी धारा 144 लागू

रावलपिंडी जिला प्रशासन ने भी 11 अक्टूबर तक धारा 144 लागू कर दी, जिसके तहत कोई भी प्रदर्शन, रैली, जुलूस, धरना या लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं हो सकता। पुलिस अधिकारी हसन वकार चीमा ने कहा कि संवेदनशील जगहों पर हिंसा का खतरा है। पूरे पंजाब में 10 दिनों के लिए धारा 144 लागू है, जिसमें चार या ज्यादा लोगों के जमा होने और हथियार दिखाने पर रोक है। हालांकि, नमाज, शादी,अंतिम संस्कार, दफ्तर और अदालतों को छूट दी गई है। टीएलपी की स्थापना 2017 में खादिम हुसैन रिजवी ने की थी। वे पंजाब के धार्मिक विभाजनों में काम करते थे, लेकिन 2011 में सलमान तासीर की हत्या करने वाले मुमताज कादरी का समर्थन करने पर नौकरी से निकाले गए। 2016 में कादरी को सजा होने पर टीएलपी ने ईश निंदा के मुद्दे पर देशव्यापी प्रदर्शन शुरू किए। खादिम ने फ्रांस के खिलाफ भी भड़काऊ बयान दिए।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

कोरिया-सूरजपुर-समाचार

अम्बिकापुर, रविवार 12 अक्टूबर 2025

5

नगर पंचायत पटना संगठन और सत्ता के बीच अब संघर्ष के कारण भ्रष्टाचारी सीएमओ झेलने मजबूर है?

खुलेआम भ्रष्टाचार मचाने के बाद भी सीएमओ दिखा रहा दंभ, नगर से नहीं हटाए जाने वह है आश्वस्त

वया सत्ता संगठन को मात देने भ्रष्टाचारी सीएमओ को दे रहा है संरक्षण

नगर पटना के आर्थिक खजाने को लगातार लूट रहा है सीएमओ, सब कुछ जानते हुए भी जिम्मेदार हैं मौन

कलेक्टर ने सीएमओ को हटाया भी लेकिन सत्ता से मिलकर सीएमओ ने कलेक्टर के आदेश को भी किया परास्त-सूत्र

बिना संरक्षण सीएमओ का खुलेआम भ्रष्टाचार जारी रह पाना असंभव, कहते हैं लोग

लोगों का मानना है कि सत्ता और संगठन की एक पार्टी की लड़ाई में नगर पंचायत पटना का नुकसान हो रहा है, नगर की विकास निधियां बंदरबांट कर ली जा रही हैं सीएमओ द्वारा, जहां जब जैसा मौका मिलता है सीएमओ का चेक बुक तैयार रहता है और वह पैसा निकाल लेता है, उसे डर भय बिल्कुल नहीं है ऐसा लगता है कि वह कभी जांच के दायरे में आएगा और मुश्किल में पड़ जाएगा, कुल मिलाकर लोगों का मानना है कि सीएमओ को कार्यप्रणाली और उसकी हिम्मत उसके बस वाली बात नहीं है, सीएमओ को संरक्षण प्राप्त है इसलिए वह भ्रष्टाचार के साथ नगर में बना हुआ है और यह संरक्षण उसे कौन प्रदान कर रहा है समझा जा सकता है यह लोगों का मत है।

आदिवासी समुदाय से अध्यक्ष प्रत्याशी घोषित करती ही सत्ता और संगठन के बीच की है नाराजगी

माना जाता है कि भाजपा संगठन ने नगर पटना के प्रथम चुनाव में जीत मात्र को लक्ष्य रखा वहीं सत्ता की मंशा अपने चहेतों को अध्यक्ष प्रत्याशी बनाना था जिसे संगठन ने नकार दिया, संगठन अपने मंसूबे में तो कामयाब हो गया अध्यक्ष उपाध्यक्ष पद पर संगठन ने कब्जा जमाते हुए पार्षदों की संख्या भी बहुमत तक पहुंचा दी लेकिन इस बीच सत्ता नाराज हो गया जिसका दर्श अब नगर की जनता भोग रही है, सत्ता सीएमओ को लेकर उसके भ्रष्टाचार को लेकर मौन है मजे ले रहा है यह साफ नजर आ रहा है, सत्ता जीत से प्रसन्न कम नगर में अध्यक्ष उपाध्यक्ष के अप्रभावी होने से प्रसन्न है यह माना जा रहा है। आदिवासी समुदाय से अध्यक्ष प्रत्याशी का सत्ता द्वारा विरोध ही सत्ता की अब जारी नाराजगी की वजह बताई जाती है।

—संवाददाता—
कोरिया/पटना, 11 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

नगर पंचायत पटना के सीएमओ भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे हुए हैं स्पष्ट भ्रष्टाचार सीएमओ का नजर भी आ रहा है बावजूद इसके सीएमओ को न तो हटाया जा रहा है और न ही सीएमओ के ऊपर कार्यवाही की जा रही है क्या इसके पीछे की वजह सत्ता और संगठन की आपसी लड़ाई है, पटना नगर में पहली बार नगरीय निकाय चुनाव सम्पन्न हुए नगर की जनता को लगा कि वह अपने मन का अध्यक्ष चुनकर विकास के पथ पर आगे बढ़ेंगे लेकिन नगर को जो सीएमओ मिला हुआ है वह ऐसा होने नहीं देगा यह नगर की जनता नहीं जानती थी, हुआ भी ऐसा ही कुछ नगर के सीएमओ ने अपने नगर आगमन से लेकर अब तक केवल भ्रष्टाचार को ही अंजाम दिया है और जो छिपा हुआ भ्रष्टाचार नहीं है बल्कि वह सामने उजागर है जिसे कोई भी देख समझ सकता है लेकिन इसके बावजूद भी सीएमओ पर मेहरबानी बनी हुई है और वह आगे भी अपने भ्रष्टाचार को गति दे रहा है।

कोरिया जिले में सत्ता और संगठन की लड़ाई छिपी हुई नहीं है, वर्तमान विधायक की बात करें तो वह कभी संगठन के साथ चलते नजर नहीं आए बात आज की हो या पहले की, विधायक जब जब निर्वाचित हुए उन्होंने संगठन को हमेशा अपने से बाद



में प्राथमिकता दी और संगठन से जुड़े लोगों को उन्होंने किनारे ही लगाने का काम किया भले इसके लिए पार्टी को ही क्यों नहीं नुकसान पहुंचा हो, नगर पटना के मामले में भी सत्ता और संगठन की ही लड़ाई साफ समझ में आती है, संगठन ने अपनी पसंद और जिताऊ दावेदार को प्रथम अवसर पर टिकट प्रदान किया और सत्ता को यह नागवार गुजरा, सत्ता ने वैसे भरसक प्रयास किया कि वह अपने अधिक पार्षद नगर में चुनाव के दौरान जीत दिलाकर ला सके लेकिन ऐसा संभव नहीं हुआ और सत्ता के चहेते अधिकांश बुरी तरह चुनाव हार गए, सत्ता ने पुनः प्रयास किया जैसा बताया जाता है कि कम बहुमत के

बावजूद उपाध्यक्ष सत्तापक्ष का न बन पाए लेकिन संगठन ने फिर बाजी मार ली और उपाध्यक्ष पद भी संगठन के प्रयासों से मिल गया, जब हर प्रयास के बावजूद सत्ता संगठन को पटना के मामले में मात नहीं दे सका तब सीएमओ ही अब सत्ता के पास आखिरी उपाय बचा जिससे वह नगर पंचायत पटना को अपने अनुसार संचालित कर सके और इसीलिए पटना में जो कुछ नजर आ रहा है वह संभव हो पा रहा है जो रुक नहीं रहा है, सीएमओ को सत्ता का संरक्षण प्राप्त है इसका प्रमाण यह भी है कि सीएमओ को जब दोषी मानकर कलेक्टर ने जांच के लिए उसे हटाने का प्रयास किया कलेक्टर का वह आदेश ही

अप्रभावी हो गया जो सीएमओ द्वारा कलेक्टर को पराजित करने के हिसाब से खुद सीएमओ बताते सुने जाते हैं जैसा सूत्र बताते हैं। संगठन भले पटना का पहला चुनाव जीत गया लेकिन वह जीतकर भी हारा हुआ है क्योंकि अध्यक्ष उपाध्यक्ष नगर के संगठन से जुड़े होने के कारण सीएमओ तक द्वारा उपेक्षित हैं। वैसे भाजपा का संगठन मजबूत माना जाता है वहीं यह बैकुंठपुर के मामले में सत्ता से हमेशा कमजोर क्यों हो जाता है यह एक बड़ा प्रश्न है, वैसे क्या जिस तरह बैकुंठपुर में सत्ता हमेशा संगठन पर हावी रहा है उसी तरह अन्य जगह का भी हाल है या केवल यह अपवाद है जो बैकुंठपुर में है।



पटना नगर की जनता ने संगठन की पसंद अध्यक्ष पद प्रत्याशी को तो चुना लेकिन कई सत्ता पसंद पार्षद प्रत्याशियों को नकारा भी, करारी हार नजर आई

नगर पटना की जनता ने ग्राम से नगर बनने के बाद हुए पहले चुनाव में संगठन की पसंद अध्यक्ष पद की प्रत्याशी को तो चुना लेकिन सत्ता की पसंद रहे कई पार्षद पद के प्रत्याशियों को नकार दिया जिन्हें करारी हार मिली, अध्यक्ष पद का ख्याब सजाए ऐसे सत्ता की पसंद लोग जो बाद में पार्षद पद पर लड़ने तैयार हुए उन्हें उपाध्यक्ष पद की लालसा थी लेकिन जनता ने नगर को उन्हें नगर पंचायत की दहलीज तक पहुंचने लायक नहीं समझा और उन्हें चुनाव में हराकर घर बैठा दिया। पटना नगर में सत्ता के कुछ ऐसे मठाधीश हैं जिन्हें नगर की जनता बिल्कुल नहीं पसंद करती वहीं सत्ता ने उन्हें ही भरोसेमंद माना और दाव उन पर खेला लेकिन जनता ने समझदारी दिखाते हुए यह दांव पलट दिया। जब मठाधीश चुनाव हार गए वह सत्ता के साथ संगठन के खिलाफ शामिल हो गए और अब वह नगर पंचायत में बैठे से लगे हुए हैं जिससे नगर की सरकार का संचालन सही ढंग से न हो सके और आरोप अध्यक्ष पर लगातार रहे।

पंचायत चुनाव में विधायक के कहने पर सीएमओ ने किया था सहयोग इसलिए है भ्रष्टाचार की छूट?

सूत्रों की माने तो सीएमओ यह भी कहते सुने जाते हैं कि पंचायत चुनाव में विधायक को किया गया सहयोग उनके लिए एक रक्षा कवच बना हुआ है, ऐसा सहयोग किया गया है कि विधायक कभी सीएमओ के खिलाफ नहीं जायेंगे, अतः सीएमओ को यह बातें किसी सही हैं जो सुनाई दे रही हैं इसकी पुष्टि तो नहीं हो सकती लेकिन सीएमओ के खुलेआम भ्रष्टाचार पर विधायक का साफ मौन समझ में जरूर आता है, अपनी ही पार्टी की अध्यक्ष उपाध्यक्ष के प्रति कोई लगाव नजर नहीं आता विधायक खेमे में, हां सीएमओ के लिए पैरवी की बातें सामने आती हैं जरूर क्या सीएमओ को सहयोग का इनाम मिल रहा है।

विपक्ष भी सीएमओ के पक्ष में, चुनाव में मिली हार का बदला लेने विपक्ष को सीएमओ का नगर में फैलाया गया भ्रष्टाचार भी स्वीकार

नगर पंचायत पटना के विपक्षी पार्षदों की स्थिति की बात करें तो वह भी सीएमओ की तरफ ही अपनी निष्ठा साबित कर रहे हैं, वह जानते हैं कि सीएमओ

अकेले भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहा है अध्यक्ष उपाध्यक्ष केवल नाममात्र के अध्यक्ष उपाध्यक्ष रह गए हैं जिन्हें सत्ता ने शक्तिहीन कर दिया है उसके बावजूद

वह सीएमओ को बचाव में नजर आते हैं, विपक्ष चुनाव की हार और नगर में सरकार नहीं बन पाने की भड़क सीएमओ का साथ देकर निकाल रहा है, विपक्ष

अपनी हार की खीज निकालने नगर में व्याप्त भ्रष्टाचार को नजर अंदाज भी करने तैयार है क्योंकि अध्यक्ष उपाध्यक्ष पद की हार उसके अहम का मामला है।



एक पुलिस ने पकड़ा गलत मानकर दूसरे ने छोड़ा सही मानकर, कोरिया पुलिस की अजीब कार्यवाही?

साइबर सेल प्रभारी ने मवेशियों से भरी ट्रक पकड़कर सौंपी कोतवाली पुलिस को, कोतवाली पुलिस ने चालानी कार्यवाही कर ट्रक को छोड़ा

क्षमता से अधिक मवेशी एक ही वाहन में लेकर जा रहे थे मवेशी व्यापारी, गो तेवक अनुराग दुबे ने कहा पुलिस की कार्यवाही दोषपूर्ण

—संवाददाता—
बैकुंठपुर, 11 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले की कोतवाली पुलिस ने मवेशी से भरी उस ट्रक को केवल पांच हजार की चालानी कार्यवाही कर छोड़ दिया जिसे साइबर सेल प्रभारी ने देर रात क्षमता से अधिक मवेशी एक ही ट्रक में परिवहन करने के आधार पर गैर कानूनी मानते हुए पकड़ा था जिसे कोतवाली पुलिस के सुपुर्द किया था। बताया जा रहा है कि 14 चक्रे ट्रक में 18 मवेशियों को जबरन लादकर ले जाया जा रहा था जिसे साइबर सेल प्रभारी ने पकड़ा था, नियमानुसार एक 14 चक्रे ट्रक में 6 मवेशी ही परिवहन करने का नियम बताया जाता है, बताया जा रहा है कि कोतवाली पुलिस की कार्यवाही केवल चालानी कार्यवाही साबित हुई और ट्रक को पांच हजार के चालानी कार्यवाही के बाद मवेशियों सहित छोड़ दिया गया। मामले में गौ सेवक अनुराग दुबे का कहना है कि पूरा मामला कोतवाली पुलिस की दोषपूर्ण कार्यवाही साबित करता है जिसमें अवैध मवेशी परिवहन को केवल चालानी कार्यवाही कर छोड़ा गया गौ सेवकों को सूचित करना भी पुलिस ने मनासिब नहीं समझा, अनुराग दुबे ने बताया कि कोतवाली पुलिस की कार्यवाही से अब मवेशी तस्करो का मनोबल बढ़ेगा क्योंकि वह इस बात से आश्वस्त हैं कि उन पर केवल चालानी कार्यवाही ही होगी गलती भले कितनी भी बड़ी हो। पूरे मामले में एक जानकारी यह भी बताई जा रही है कि इसके पहले भी ऐसे ही एक मामले में एक हजार की चालानी कार्यवाही कर मवेशी तस्करो को छोड़ दिया गया था।

कोरिया का स्वाद छाया राजधानी दिल्ली में...

‘अमृत मोदक’ और ‘अमृत अचार’ की खुशबू से सरस मेला महका, महिलाओं ने स्वा नया अध्याय

—संवाददाता—
कोरिया, 11 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

नई दिल्ली के प्राति मेदान में विगत दिनों 25 से 28 सितम्बर तक आयोजित सरस मेला 2025 में कोरिया जिले के स्व-सहायता समूहों के उत्पादों ने अपनी अलग पहचान बनाई। ‘कोरिया अमृत मोदक’ और ‘कोरिया अमृत अचार’ ने स्वाद और गुणवत्ता के दम पर देशभर से आए आगंतुकों का दिल जीत लिया। मेले में जिले के दो स्व-सहायता समूहों ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। ज्योति महिला स्व-सहायता समूह ने 200 किलोग्राम से अधिक कोरिया अमृत मोदक की बिक्री कर 88 हजार

रुपए की आय अर्जित की तथा जागृति महिला स्व-सहायता समूह ने 260 किलोग्राम अचार तथा 36 किलोग्राम पापड़-बड़ी का विक्रय कर एक लाख रुपए से अधिक की आय प्राप्त की। मेले में उपस्थित विभिन्न विक्रेताओं, खरीदारों और पर्यटकों ने कोरिया जिले के उत्पादों की गुणवत्ता और स्वाद की सराहना करते हुए भविष्य में ऑर्डर देने की इच्छा भी जताई। जिले की स्व-सहायता समूह की महिलाएं स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक विधियों से तैयार किए गए उत्पादों को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचा रही हैं, जिससे महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है। कलेक्टर चन्दन विपाठी ने कहा कि जिले की स्व-

सहायता समूहों में काम करने वाली महिलाओं की आर्थिक निर्भरता और सामाजिक सशक्तीकरण के लिए प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा है। हमारा उद्देश्य केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के पारिवारिक और शैक्षणिक वातावरण को भी सशक्त बनाना है। जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चुवर्गेंदी ने कहा कि परिवार, समाज और देश के विकास में महिलाओं की सक्रिय भूमिका महत्वपूर्ण है। कोरिया जिले की महिलाओं ने सरस मेले में स्थानीय उत्पादों की शानदार बिक्री कर अपनी दक्षता सिद्ध की है। प्रशासन उनकी स्वास्थ्य, पोषण और आर्थिक सुदृढ़ता के लिए हर संभव प्रयास करेगा।



सच्चा प्यार है तो ज़हर खाकर दिखाओ... प्रेमिका के परिवार ने दी चुनौती, 20 साल के आशिक ने जान देकर साबित की मोहब्बत...



सच्चा प्यार करते हो तो ज़हर खा कर दिखाओ, और युवक ने दे दी जान

—संवाददाता—
कोरबा, 11 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

प्यार में जान देने की एक दिल दहला देने वाली घटना छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से सामने आई है। लेमरु पुलिस ने शनिवार को बताया कि देवपहरी गांव के रहने वाले कृष्ण कुमार पंडो (20) ने अपनी प्रेमिका

के परिवार के सामने अपनी मोहब्बत साबित करने के लिए कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसके कारण इलाज के दौरान 8 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और लड़की के परिवार पर युवक को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोपों की जांच कर रही है।

प्यार का पता चला, फिर मिली घर आने की चुनौती..

लेमरु पुलिस थाने के एक अधिकारी ने घटना का पूरा ब्यौरा दिया। अधिकारी ने बताया कि कृष्ण कुमार पंडो का सोनारी गांव में रहने वाली एक लड़की से प्रेम संबंध था। जब इस बात की जानकारी लड़की के परिवार को हुई, तो उन्होंने कृष्ण को 25 सितंबर को अपने घर बुलाया।

निर्दयी इम्तिहान... ज़हर खाकर दिखाओ...

25 सितंबर को जब कृष्ण लड़की के घर पहुंचा, तो वहां पहले से ही तनाव का माहौल था। लड़की के परिवार वालों ने कृष्ण की मोहब्बत को चुनौती देते हुए एक बेहद निर्दयी शर्त रखी। अधिकारी ने बताया, लड़की के परिवार ने कथित तौर पर लड़के से कहा कि अगर वह उससे सच्चा प्यार करता है, तो ज़हर खाकर दिखाए। युवक ने अपनी मोहब्बत की सच्चाई साबित करने के लिए बिना सोचे समझे जहरीला पदार्थ खा लिया।

13 दिन तक ज़िंदगी से लड़ा, फिर तोड़ा दम..

जहर खाने के बाद, कृष्ण की हालत बिगड़ने लगी। उसने तुरंत अपने परिवार को इस भयावह घटना की जानकारी दी। धरनाएँ परिलज्जित होने पर पहले लेमरु के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। हालात गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल कोरबा रेफर किया गया। युवक 13 दिनों तक अस्पताल में ज़िंदगी और मौत से संघर्ष करता रहा, लेकिन ज़हर का असर इतना गहरा था कि 8 अक्टूबर को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

परिवार का आरोप, पुलिस कर रही है जांच..

पुलिस अधिकारी ने बताया कि कृष्ण के परिवार में लड़की के परिवार पर यह आरोप लगाया है कि उन्होंने ही कृष्ण को ज़हर खाने के लिए मजबूर किया। पुलिस ने परिवारों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और इस एंगल से जांच कर रही है कि क्या यह आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला (आईपीसी 306) बनता है।

न्यायालय नज़ूल अधिकारी
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.ग.)
रा.ग.प.क्र.0-अ-20 (3)/2024-25
ईश्वरतारा
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका श्रीमती गुरमीत कौर छबड़ा पत्नी श्री जगदीप सिंह छबड़ा आयु लगभग 55 वर्ष जाति सिख निवासी मो० महामाया रोड शमलाला मंदिर के पास, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा छ.ग.ग. के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला सदर रोड नगर अम्बिकापुर, शीट नम्बर-3 स्थित नूजल प्लॉट नम्बर 1011/13 रकबा 0.02, 1/2 एकड़ भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेटर्नस खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है।
उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से शनिवार- 29/10/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक- 9/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
(सिल) नज़ूल अधिकारी अम्बिकापुर

न्यायालय नायब अम्बिकापुर-2
जिला-सरगुजा (छ.ग.ग.)
रा.ग.प.क्र.0- 2025/102170000/
ब-121 / 2024-25
ईश्वरतारा
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरजन आ० रविन्द्रनाथ, निवासी ग्राम डिमना, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.ग.) द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम नेहरुनगर स्थित शासन से प्राप्त पुनर्वासि प्लॉट की भूमि खसरा नंबर 101/3 रकबा 0.403 हे० में से 0.060 हे० (15 डिसेमिल) भूमि अपनी पुत्री के विवाह एवं अपने पुत्र के रोजगार हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदिका सखिता महिलेगी पति राजकुमार महिलेगी, निवासी नहर रोड साईं नगर उरला, वार्ड नं०-56 दुर्ग, तहसील दुर्ग, जिला-दुर्ग (छ.ग.ग.) को रु० 21,00,000/- (इक्कीस लाख रूपये) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 7/11/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 10/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।
(सिल) नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार

अम्बिकापुर, रविवार 12 अक्टूबर 2025

6

क्या रावण दहन के आग की आँच पहुंची एसडीएम तक और हटाए गए ?

क्या एक समाज विशेष का टाइटल सोनहत एसडीएम के लिए बना सोनहत एसडीएम पद के प्रभार से हटने का कारण?

रावण दहन कार्यक्रम में समाज विशेष की अगणी भूमिका से विधायक थीं नाराज, बिना विधायक हुआ था रावण दहन

रावण दहन की आग ठंडी भी नहीं हुई और एसडीएम सोनहत प्रभार से हटाए गए, विधायक का था आदेश: सूत्र

एसडीएम अच्छे और योग्य क्षेत्र के लिए समर्पित थे भाजपा जिलाध्यक्ष का सोशल मीडिया बयान भी एक पहेली

एसडीएम भी हुए मात्र अहंकार का शिकार, अहंकार मिटाने वालों के सत्कार की थी जिम्मेदारी, खुद ही अहंकार की भेंट चढ़ गए...

सोनहत एसडीएम भी अहंकार के शिकार हो गए, जिस कार्यक्रम में वह अहंकार को मिटाने वाले के सत्कार के लिए जिम्मेदार थे उसी कार्यक्रम में हुई चूक से उपजे अहंकार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया, एसडीएम गलत थे भी तो यदि कार्यक्रम अहंकार के पराजय का था तो कम से कम एसडीएम को ऐसी एकमात्र किसी चूक के लिए ऐसे दिवस माफ किया जाना था जब अहंकार ही मिटाना दिवस उद्देश्य था, एसडीएम को अपने अहंकार के लिए हटाना कम से कम दिवस विशेष के हिसाब से सही नहीं कहा जा सकता और इसे धर्म आधारित न्याय भी नहीं कहा जा सकता, कुल मिलाकर अहंकार का रावण सोनहत में जला ही नहीं बल्कि वह और अधिक ताकतवर हुआ मजबूत हुआ।

समाज विशेष का टाइटल न होता एसडीएम सोनहत बने रहते पद पर

सोनहत एसडीएम पर बताया जाता है कि आरोप मात्र एक समाज विशेष के टाइटल के कारण लगा, सोनहत में सक्रिय एक जाति समुदाय के कुछ लोगों पर आरोप लगा कि उन्होंने जल्दबाजी में रावण दहन कार्यक्रम संपन्न कर दिया विधायक का इंतजार नहीं किया, एसडीएम साहब के नाम के आगे का भी टाइटल उसी समाज से जुड़ा पाया गया और उन्हें ही सहयोगी मानकर हटा दिया गया, बताया जा रहा है कि एसडीएम साहब का टाइटल दूसरा कुछ होता वह पद पर बने रहते उन्हें नहीं हटाया जाता। वैसे जिस समाज का टाइटल एसडीएम साहब अपने नाम के आगे लगाते हैं वह जिले सहित प्रदेश में अपनी निर्णायक भूमिका के लिए जानी जाती है चुनावों में।

-संवाददाता- कोरिया/सोनहत, 11 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के सोनहत एसडीएम सोनहत के प्रभार से हटा दिए गए, यह आनन-फानन में हुआ और उनके हटाए जाने से बाद से ही एक सवाल खड़ा हो गया कि क्या एक समाज विशेष का टाइटल उनके प्रभार का दुश्मन बन गया, सूत्रों की मानें तो पूरा मामला रावण दहन से खड़ा हुआ मामला है जहां रावण दहन के मुख्य कार्यक्रम में विधायक की गैरमौजूदगी में रावण दहन कार्यक्रम संपन्न हो गया था और विधायक के पहुंचने पर केवल रावण के पुतले के अवशेष मात्र बचे थे जिससे विधायक नाराज हुई थीं और उन्होंने बयान भी नाराजगी में दिया था।

मामले में पुलिस प्राथमिकी की

बात भी विधायक ने की थी जिसके बाद पूर्व विधायक या कहे विपक्ष की भी एंट्री हुई थी और पुलिस प्राथमिकी तो दर्ज नहीं हो सकी लेकिन एसडीएम सोनहत निपटा दिए गए। एसडीएम ऐसे समाज से आते हैं जैसा बताया जा रहा है जिसकी भूमिका सोनहत में काफी प्रमुख रहती है और उसी समाज के लोगों ने रावण दहन विधायक के पहुंचने से पूर्व किया और एसडीएम ने रोकेन का प्रयास नहीं किया इसलिए एसडीएम हटाए गए ऐसा सूत्रों का दावा है। अब सच चाहे जो भी हो लेकिन भाजपा जिलाध्यक्ष का एक सोशल मीडिया बयान भी सामने आया जो एसडीएम सोनहत के हटाए जाते ही आया जिसमें उन्होंने एसडीएम को कर्तव्यनिष्ठ, व्यवहार कुशल और क्षेत्र के लिए समर्पित बताया है, जिलाध्यक्ष भाजपा का सोशल मीडिया बयान वैसे लोग समझ

नहीं पा रहे हैं लेकिन एसडीएम क्यों एक ही मान रहे हैं जो रावण दहन का हटाए गए इसके पीछे की वजह लोग ही मामला लोग मान रहे हैं।

क्या रावण दहन सिर्फ रावण के अहंकार के लिए हो रहा है, रावण दहन करने वालों का अहंकार क्यों नहीं जलता ?

रावण का दहन प्रतिवर्ष हो रहा है लेकिन जो रावण दहन करने जा रहे हैं राम बन रहे हैं उनका अहंकार खत्म नहीं हो पा रहा है। राम बनकर रावण दहन करने पहुंचने वालों का अहंकार आज रावण के अहंकार से ऊपर हो चुका है, अब नफा-नुकसान भूलकर किसी को होने वाली क्षति भूलकर लोग व्यवहार कर रहे हैं और अपनी वाहवाही और अपनी जयजयकार सुनना पसंद कर रहे हैं। रावण आदिकाल से जलता आ रहा है क्योंकि इस तरह लोग बुराई समाप्त करने की बात करते हैं लेकिन न बुराई खत्म हो रही है और न अहंकार।



रावण दहन कार्यक्रम का उद्देश्य सिर्फ मनोरंजन रह गया है, असत्य पर सत्य के विजय के प्रतीक स्वरूप मनाया जाना पर्व अब मनोरंजन मात्र उद्देश्य से मनाया जाने लगा है, कहीं फूहड़ नृत्य और कहीं आयोजकों का हुडदंग यही अभूत रावण दहन के दिन नजर आने वाला दृश्य होता है, दशहरा पर्व जहां अहंकार के नाश का पर्व माना जाता है वहां अब अहंकार ही इस पर्व की पहचान बन गई है, सोनहत में भी रावण दहन का कार्यक्रम अहंकार की भेंट चढ़ गया, जिस कार्यक्रम में अहंकार के प्रतीक रावण को जलाया जाना था वहां अहंकार इतना हावी हो गया कि मामला पुलिस थाने तक पहुंचा और बाद में एक बेहतर कार्य कर रहे क्षेत्र के अधिकारी को भी पद से हटाना पड़ा, कुल मिलाकर व्यतिरिक्त अहंकार नेताओं का इस कदर हावी है कि अब आम ईसान या व्यवस्था कुछ ऐसा नहीं कर सकती कि नेता हमेशा खुश रहें, नेताओं को खुश रखने के लिए अब केवल हर पल उनकी मंशा के अनुसार कार्य करना ही केवल एक तरीका रह गया है।

रावण दहन कार्यक्रम का सिर्फ मनोरंजन ही रह गया है उद्देश्य

रावण दहन कार्यक्रम का उद्देश्य सिर्फ मनोरंजन रह गया है, असत्य पर सत्य के विजय के प्रतीक स्वरूप मनाया जाना पर्व अब मनोरंजन मात्र उद्देश्य से मनाया जाने लगा है, कहीं फूहड़ नृत्य और कहीं आयोजकों का हुडदंग यही अभूत रावण दहन के दिन नजर आने वाला दृश्य होता है, दशहरा पर्व जहां अहंकार के नाश का पर्व माना जाता है वहां अब अहंकार ही इस पर्व की पहचान बन गई है, सोनहत में भी रावण दहन का कार्यक्रम अहंकार की भेंट चढ़ गया, जिस कार्यक्रम में अहंकार के प्रतीक रावण को जलाया जाना था वहां अहंकार इतना हावी हो गया कि मामला पुलिस थाने तक पहुंचा और बाद में एक बेहतर कार्य कर रहे क्षेत्र के अधिकारी को भी पद से हटाना पड़ा, कुल मिलाकर व्यतिरिक्त अहंकार नेताओं का इस कदर हावी है कि अब आम ईसान या व्यवस्था कुछ ऐसा नहीं कर सकती कि नेता हमेशा खुश रहें, नेताओं को खुश रखने के लिए अब केवल हर पल उनकी मंशा के अनुसार कार्य करना ही केवल एक तरीका रह गया है।

रावण से भी अहंकारी हैं आज सत्ता में बैठ रहे लोग भी?

रावण बुराई का प्रतीक है लेकिन वह कभी अपनी सत्ता से और अपने लोगों से विरोध नहीं लेता नजर आया, जब रावण पर संकट आया उसके राज्य और उसके परिवार ने उसका साथ दिया भले ही सभी ने अपनी जान गंवाई, आज ऐसी स्थिति नहीं है, आज सत्ता पाते ही सत्ताधारी इतने अहंकारी हो जाते हैं कि वह सबसे पहले अपने ही लोगों की जड़े काटते हैं, सत्ता अहंकार का प्रतीक अब बन चुका है जो अब रावण के अहंकार से कहीं बड़ा अहंकार है, इस अहंकार में नफा-नुकसान अपनी का भी स्वीकार है, कुल मिलाकर रावण आज के सत्ताधारियों से अच्छा था ऐसा आगे लोग कहेंगे और हो सकता है कि आगे कुछ और देखने को मिले दशहरा के दिन।

अब लखपति नहीं, करोड़पति बनने का सपना देखें: विधायक भईयालाल राजवाड़े

मेगा लिंकेज एवं क्रेडिट कैप में 99 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत

महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना हमारा उद्देश्य- कलेक्टर श्रीमती

-संवाददाता- कोरिया, 11 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

जिला पंचायत परिसर में जिलास्तरीय मेगा लिंकेज एवं क्रेडिट कैप का भव्य आयोजन

किया गया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न शासकीय, अशासकीय एवं निजी बैंकों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष

श्री मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े, जिला व जनपद पंचायतों के प्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी, बैंकर्स, बड़ी संख्या में हितग्राही एवं महिला समूहों की सदस्याएं उपस्थित रही।



महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना हमारा उद्देश्य-

कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने कहा कि हितग्राहियों और बैंक प्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है ताकि ऋण अदायगी समय पर हो और भविष्य में भी सहयोग बना रहे। उन्होंने कहा कि इस मेगा बैंक लिंकेज एवं क्रेडिट कैप का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त करना, उन्हें स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने महिलाओं की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि रआपने एक-एक सीढ़ी चढ़कर जो मुकाम हासिल किया है, वह अन्य के लिए प्रेरणादायक है। जिले की सभी महिलाएं समूह से जुड़ें और आत्मनिर्भर बनें ताकि कोरिया जिला आर्थिक और सामाजिक रूप से और मजबूत हो सके।

समाज में परिवर्तन सक्रिय भागीदारी से संभव

जिला पंचायत के सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा कि समाज में परिवर्तन तभी संभव है जब व्यक्ति सक्रिय रूप से कार्य करे। उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे इस शिखर से अधिकतम लाभ लेकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को और सुदृढ़ बनाएं।

16 बैंकों ने 2,123 प्रकरणों में 99.32 करोड़ स्वीकृत

एलडीएम श्री शैलेश पाठक ने जानकारी दी कि जिले के 16 बैंकों द्वारा कुल 2,123 प्रकरणों में 99 करोड़ 32 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 2,015 प्रकरणों में 80 करोड़ 64 लाख रुपये का वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक ने सबसे अधिक 402 प्रकरणों में लगभग 25 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया है। लाभार्थियों को बिहान, मुद्रा, कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी, आदिवासी वित्त आदि योजनाओं के तहत ऋण दिए गए।

अब लखपति नहीं, करोड़पति बनने का सपना देखें

बैकूटपुर विधायक श्री भईयालाल राजवाड़े ने कहा...कि स्व-सहायता समूहों और बिहान ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने महिलाओं से कहा, अब लखपति बनना लक्ष्य नहीं, करोड़पति बनने का सपना देखना होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की महिला सशक्तिकरण योजनाओं की सराहना की, जिनके परिणामस्वरूप आज कोरिया जिले की महिलाएं सफलता की नई ऊंचाइयां छू रही हैं।

खरीफ फसल वर्ष 2024-25 में जिले ने 9.69 लाख किंटल से अधिक धान खरीदी कर रचा नया कीर्तिमान

धान उपार्जन में नई ऊंचाइयाँ मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जिला बना कृषि प्रगति का नया इतिहास



-संवाददाता- एमसीबी, 11 अक्टूबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य सदैव से कृषि प्रधान रहा है, जहां किसान न केवल अन्नदाता हैं बल्कि समृद्धि के वास्तविक वाहक भी हैं। राज्य की पहचान धान का कटारा के रूप में पूरे देश में प्रसिद्ध है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने, उन्हें तकनीकी रूप से सशक्त बनाने तथा पारदर्शी भुगतान व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में अनेक ठोस कदम उठाए हैं। इन्होंने योजनाओं और दूरदर्शी नीतियों के फलस्वरूप है जो जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्गादित मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ने खरीफ वर्ष

2024-25 में धान उपार्जन कार्य में ऐतिहासिक सफलता अर्जित की है। धान खरीदी की तुलनात्मक उपलब्धि - खरीफ वर्ष 2023-24 बनाम 2024-25- खरीफ वर्ष 2023-24 में जिले में कुल 14 समितियों के माध्यम से 24 उपार्जन केंद्र संचालित किए गए थे। उस दौरान 18,061 किसान पंजीकृत हुए, जिनका कुल रकबा 24,199.93 हेक्टेयर था। जिसमें जिले का खरीदी लक्ष्य 8.55 लाख किंटल निर्धारित किया गया था, जिसमें 14,676 किसानों ने अपनी उपज बेचकर सरकार के न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ उठाया। इस अवधि में कुल 8.65 लाख किंटल धान खरीदी गई और खरीदी गई धान की कुल राशि

18,892.37 लाख रुपये रही। वहीं वर्ष 2024-25 में जिले ने उपार्जन तंत्र को और अधिक सशक्त किया। पंजीकृत किसानों की संख्या बढ़कर 20,171 हो गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2,110 किसानों की वृद्धि है। पंजीकृत रकबा बढ़कर 25,846.178 हेक्टेयर दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष से लगभग 1,646 हेक्टेयर अधिक है। इस वर्ष कुल उपार्जन केंद्र 25 थे। जिले ने 9.69 लाख किंटल धान खरीदी की, जो लक्ष्य 9.55 लाख किंटल से 0.14 लाख किंटल अधिक है। जो कि खरीदी राशि 22,307.60 लाख रुपये रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3,415.23 लाख रुपये अधिक है।

वसूली और लिफ्टिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन

वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता में जिले ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। वर्ष 2024-25 में कालातीत मांग 279.54 लाख रुपए और चालू मांग 2,583.88 लाख रुपए रहा, जबकि कुल मांग 2,863.42 लाख रुपए रही। धान खरीदी पोर्टल में दर्ज मांग 3,185.05 लाख रुपए रही और लिफ्टिंग से वसूली 2,822.33 लाख हुई थी, जो 98.57 प्रतिशत है। डिजिटल प्रणाली ने हर लेन-देन को पारदर्शी और कुशल बनाया।

पीएफएमएस प्रणाली से 100 प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित

धान उपार्जन केंद्रों में किसानों को समय पर भुगतान के लिए सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली का प्रयोग किया गया था। वर्ष 2024-25 में 16,419 किसानों को 22,284.09 लाख रुपए का भुगतान किया गया। भुगतान योग्य राशि और भुगतान की गई राशि दोनों समान रही, जिससे किसी भी किसान का भुगतान शेष नहीं रहा।

भंडारण सुरक्षा और प्रासंगिक व्यय में हुआ लाखों का भंडारण

धान उपार्जन के दौरान भंडारण और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। वर्ष 2024-25 में 148.77 लाख रुपए प्रासंगिक व्यय तथा 43.27 लाख रुपए भंडारण सुरक्षा व्यय हेतु भुगतान किए गए। यह दर्शाता है कि जिले ने खरीदी के साथ-साथ गुणवत्ता और सुरक्षा पर भी ध्यान दिया गया।

आत्मनिर्भर किसान, सशक्त जिला एवं समृद्ध भारत

एमसीबी जिले का यह प्रदर्शन मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री की नीतियों का सजीव उदाहरण है। धान खरीदी अब सिर्फ प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं रही, बल्कि यह किसानों की आशा, आत्मसम्मान और विकास की कहानी बन गई है। पिछले वर्ष की तुलना में खरीदी, भुगतान और किसान सशक्तिकरण में हुई स्पष्ट वृद्धि ने जिले को प्रदेश और देश में आदर्श मॉडल बना दिया है। इस प्रकार जिले में किसानों की संख्या में 2,110 की वृद्धि, खरीदी गई धान की मात्रा में 1.04 लाख किंटल की वृद्धि और कुल खरीदी राशि में 3,415.23 लाख रुपए की वृद्धि हुई, जो यह दर्शाता है कि जिला कृषि तंत्र लगातार सशक्त और किसान-केंद्रित बना हुआ है।

अमिताभ को पिता की आत्मा मानते थे हरिवंशराय चोरी की तो मां ने पीटकर छड़ी तोड़ी,पिता से पूछा था...आपने मुझे पैदा क्यों किया

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन 83 साल के हो चुके हैं। पूरी दुनिया उन्हें महानायक कहती है,लेकिन अमिताभ बच्चन की मां ने तो असली महानायक वो नहीं,उनके पिता हरिवंशराय बच्चन हैं। उनकी जिंदगी संवारने में पिता और उनकी सीख का बड़ा महत्व रहा।

10 अक्टूबर 1941,अमिताभ बच्चन के जन्म से ठीक एक साल एक दिन पहले की तारीख थी...

हरिवंशराय बच्चन की जिंदगी में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। लंबी बीमारी से पिता प्रताप नारायण श्रीवास्तव चल बसे। मां ने उसी दिन जीने की इच्छा खत्म कर दी। हरिवंशराय बच्चन, पहली पत्नी श्यामा को भी टीबी से खो चुके थे। जीते जी पिता लगातार उन्हें दूसरी शादी के लिए मनाते रहे,लेकिन वो दोबारा घर न बसाने की जिद पर अड़े रहे। यही वजह रही कि उनकी पिता से ज्यादा बनती न थी,लेकिन पिता के गुजर जाने के बाद उन्हें उनकी कही आखिरी बात याद रही कि बेटी मैं मरने से पहले तुम्हें सुखी देखना चाहता हूँ। यहाँ सुखी देखने का अर्थ उनकी शादी से था। पिता के गुजर जाने के बाद घर में अजीब सननाटा पसर गया,लेकिन अब भी उनका मन घर बसाने का न था। लेकिन एक रोज इतेफाकन उनकी मिस तेजी सूरि (अमिताभ बच्चन की मां) से मुलाकात हो गई। तेजी 1941 में लाहौर के फतेहचंद कॉलेज में साइकोलॉजी पढ़ाती थीं। उस समय हरिवंश राय साहब कॉलेज में पढ़ाई के साथ अपनी छ्पी हुई मधुशाला जैसी किताबों और लेखन के लिए मशहूर थीं। दोनों ही अब तक एक दूसरे के अस्तित्व से अनजान थे। एक शाम लाहौर में महफिल जमी,जहाँ कुछ स्टूडेंट्स ने हरिवंशराय बच्चन से कुछ पंक्तियाँ सुनाने को कहा। उनके दोस्त प्रकाश की पत्नी प्रेमा ने आवाज देकर अपनी सहेली तेजी को भी कविता सुनने बुला लिया। हरिवंश राय ने जैसे ही कविता खत्म की,मिस तेजी सूरि के आँसू बहने लगे। और ये आँसू ही दोनों के ताउम्र रिश्ते के कारण बने। तेजी से चंद बातें करने के बाद हरिवंशराय बच्चन ने कभी शादी न करने का मन एक झटके में बदल लिया। वहीं,तेजी ने अपनी सगाई तोड़कर हरिवंशराय बच्चन से जनवरी 1941 में सिविल मैरिज की। चंद महीनों में तेजी ने खुशखबरी सुना दी कि वो जल्द मां बनने वाली है।

10 अक्टूबर 1942 की बात थी, अमिताभ बच्चन के जन्म से ठीक एक दिन पहले

हरिवंशराय बच्चन के करीबी दोस्त सुमित्रानंदन पंत अल्मोड़ा से काम के सिलसिले में इलाहाबाद (अब प्रयागराज) आए थे। हरिवंशराय और तेजी बच्चन ने दबाव बनाकर उन्हें अपने ही घर में ठहरा लिया। इस दिन हरिवंशराय बच्चन के पिता की पहली बरसी थी। रात को देर तक बात करने के बाद सभी सोने चले गए। हरिवंशराय गहरी नींद में थे। उन्होंने ख्याब देखा कि उनके चक वाले पुरतैनी घर की पूजा की कोठी में उनके दिवंगत पिताजी चश्मा लगाए रामचरितमानस लिए पढ़ रहे हैं। वो पत्नी तेजी के साथ वहीं पास बैठे सुन रहे हैं। पिता पाँचवें विश्राम पाद में थे,जिसमें मनु और उनकी पत्नी शतरूपा की तपस्या से खुश होकर भगवान विष्णु प्रकट होते हैं। दोनों उनसे वरदान मांगते हैं- कुछ ही घंटों बाद यानी 11 अक्टूबर 1942 को तेजी बच्चन ने बेटे को जन्म दिया। सुमित्रानंदन पंत जब शाम को घर लौटे तो जच्चा-बच्चा से मिलने के बाद उन्होंने उस बच्चे को अमिताभ नाम दिया।

पुत्र सुख प्राप्त कर हरिवंशराय बच्चन ने कविता लिखी

फूल कमल,गोद नवल,मोद नवल,गेह में विनोद नवल। बाल नवल,लाल नवल,दीपक में ज्वाल नवल। (खिला हुआ कमल नया है,मोद में बालक नया है, हर्ष नया है, घर में आनंद नया है। बालक नया है,लाल (पुत्र) नया है,जैसे दीपक में नई ज्योति जल उठी है।) जिस बच्चे के जन्म से पहले उनके पिता ने भविष्यवाणी की,जिसके जन्म पर पिता ने कविता लिख डाली,वो बच्चा आज सदी का महानायक है। उसने पिता की कविताओं के जरिए अपनी जिंदगी में नाकामी,कामयाबी

साल 1958 की बात है...

अमिताभ 16 बरस के हो चले थे। मां भी नौकरी पर लौट चुकी थीं और लिटरेचर के क्षेत्र में बड़ा मुकाम हासिल कर रही थीं और पिता हरिवंशराय भी बड़े लेखकों में शुमार हो चुके थे। नैनीताल के शेरवुड कॉलेज से स्कूलिग खत्म कर अमिताभ बच्चन ने दिल्ली के किरोड़ी मल कॉलेज में मां-बाबूजी के कहने पर प्रेजुएशन में दाखिला ले लिया। इसी समय जब नौकरी की तलाश शुरू की,तो हर तरफ निराशा हाथ आई। एक रोज अमिताभ दिल्ली के कॉफी हाउस में दोस्तों के साथ बैठे थे। लगभग सभी दोस्त नौकरी न मिलने से परेशान हाल थे। इतने में एक दोस्त बोल पड़ा... गलती हमारी नहीं है,गलती हमारे माता-पिता की है। गलती ये है कि उन्होंने हमें पैदा क्यों किया। अमिताभ को लगा कि ये दोस्त सही तो कह रहा है। वैसे तो अमिताभ बड़े शांत स्वभाव के थे और बाबूजी के आगे ज्यादा कुछ बोल नहीं पाते थे, लेकिन दोस्त की बात को मन में लिए जब वो अगली छुट्टी पर घर पहुंचे तो उन्होंने जिंदगी में पहली और आखिरी बार हिम्मत कर कह दिया... आज मुझे पता चल गया है कि वजह क्या है। आपने मुझे पैदा क्यों किया था। (अमिताभ की आवाज में भारी गुस्सा था)

पिता उनकी ये बात सुनकर दंग रह गए,लेकिन कुछ कछ नहीं

रोज सुबह 4 बजे सैर पर जाने से पहले हरिवंशराय बेटे को पढ़ाई के लिए उठाते थे,लेकिन उस रोज जब वो निकले तो उन्होंने बेटे को जगाया नहीं,बस हल्के कदमों से उसके कमरे में पहुंचे और सिरहाने एक चिट्ठी छोड़ गए। अमिताभ ने चिट्ठी खोली तो उसमें बोते दिन हुई बात का जवाब लिखा था,जो ऐसा है... जिंदगी और जमाने की कशमकश से घबरकर मेरे बेटे मुझसे पूछते हैं कि हमें पैदा क्यों किया था? और मेरे पास इसके सिवाय कोई जवाब नहीं है कि मेरे बाप ने मुझसे बिना पूछे मुझे क्यों पैदा किया था? और मेरे बाप को उनके बाप ने बिना पूछे उन्हें और उनके बाबा को बिना पूछे उनके बाप ने उन्हें क्यों पैदा किया था? जिंदगी और जमाने की कशमकश पहले भी थी,आज भी है शायद ज्यादा, कल भी होगी,शायद और ज्यादा,तुम ही नई लौक रचना,अपने बेटों से पूछकर उन्हें पैदा करना।

का सार खोजा और उससे सीख ली। अमिताभ जब एक साल के हुए तो मां ने अंग्रेजी में एम.ए. में दाखिला ले लिया। चंद महीने बीते ही थे कि बेटे का स्वास्थ्य गिरने लगा,तो मां ने पढ़ाई छोड़ दी। इसी समय हरिवंशराय बच्चन को यूनिवर्सिटी ऑफिसर्स की एक ट्रेनिंग के सिलसिले में महु जाना पड़ा,तो उनके पीछे तेजी ने अमिताभ को अकेले संभाला। एक रोज हरिवंशराय बच्चन को तेजी का खत मिला,जिसमें उन्होंने कहा कि बेटे अमिताभ को मलेरिया हो गया है। बेटे की फिक्र में वो बस खतों का इंतजार करते रहे। आने वाले खतों में बस यही लिखा होता था कि अमिताभ का स्वास्थ्य ठीक होने के बजाय दिन-ब-दिन बिगड़ता जा रहा है। हरिवंशराय बच्चन को हमेशा डर लगा रहता था कि कहीं अगले खत में कोई अनहोनी की खबर न आ जाए। इसी समय साथियों के देबाव में हरिवंशराय बच्चन ने शराब पीनी शुरू कर दी। एक रोज उन्हें ख्याल आया कि जब बाबर को इस तरह चुनौतियाँ मिली होंगी तो उसने क्या किया होगा। पानीपत की लड़ाई में जब उसे लगा कि उसे हार मिलने वाली है,तब उसने प्रण किया कि अगर जीत हुई तो कभी शराब नहीं पीयूंगा। जीत हुई तो बाबर ने शराब छोड़ दी। कहीं न कहीं हरिवंश जानते थे कि बाबर के जंग जीतने और शराब छोड़ने का कोई भीतरिक संबंध न था,लेकिन फिर भी पुत्र की बीमारी से चिंतित होकर उन्होंने एक रोज प्रण कर लिया कि अमित (अमिताभ) अगर स्वस्थ हो जाए तो वो कभी शराब न पीएंगे। तेजी ने जब अगला खत लिखा तो उसमें लिखा

छरहरा शरीर लिए मां की बात पर अमिताभ निकल पड़े और इस बार उन लड़कों की पिटाई कर लौटे

अमिताभ की परवरिश वैसी ही हुई,जैसे हर आम बच्चे की होती है। अच्छा काम करने पर तारीफें भी मिलीं और बदमाशी करने पर मार भी पड़ती थी। बारिश के मौसम में अमिताभ आस-पड़ोस के बच्चों के साथ खूब भीगा करते थे। एक रोज वो ऐसे भीगे कि पूरा कोचिंग साथ में समेट लाए। जैसे ही मां-बाबूजी घर पहुंचे तो जमकर डांट पड़ी, जिनसे अमिताभ बच्चन अपनी जिंदगी की सबसे तेज डांट कहते हैं। मां ने गलती पर ज़ुलार नहीं किया और नन्हे हाथों वाले अमिताभ से ही पूरा फर्श साफ करवाया। ठीक इसी तरह एक रोज अमिताभ बच्चन बदमाशी करते हुए एक दुकान से बिना बताए रखर उठा लाए। दुकानवाला तो समझ न सका, लेकिन घर आकर जब मां ने देखा तो गुस्से में आग बबुला हो गई। उनके लिए छोटी हो या बड़ी,चोरी तो चोरी थी। उन्होंने बेंत (सहारा लेकर चलने वाली लकड़ी) उठाई और बेटी की तब तक पिटाई की जब तक बेत टूट न गई। शौला झुनझुनवाला की किताब के अनुसार,इस पिटाई से अमिताभ के शरीर पर सूजन आ गई थी। इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में शुरुआती पढ़ाई के बाद अमिताभ का दाखिला नैनीताल के शेरवुड कॉलेज में करवाया गया। स्कूल में एनुअल प्ले होता था, जिसमें वो पूरे जोश के साथ भाग लेते थे। अभिनय की कला अमिताभ को मां तेजी बच्चन से मिली थी। वो भी नाटकों में हिस्सा लेती थी और हिंदी सिनेमा से जुड़ना चाहती थीं, लेकिन पहले पढ़ाई, फिर नौकरी और फिर शादी में व्यस्त होने के चलते उन्हें ये खाहिश अधूरी छोड़नी पड़ी। अमिताभ ने एनुअल प्ले में हिस्सा लिया तो उन्हें पहले ही साल बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला। अगले साल जब एनुअल डे हुआ तो अमिताभ ने फिर इसमें हिस्सा लिया,पूरी उम्मीद थी कि इस साल भी वही जीतेगे, लेकिन परफॉर्मेंस से ठीक एक दिन पहले वो ऐसे बीमार पड़े कि उन्हें अस्पताल पहुंचाना पड़ा। इस समय उन्हें बीमारी से ज्यादा प्रतियोगिता न जीत पाने का अफसोस था। बाबूजी हरिवंशराय बच्चन जब उनसे मिलने पहुंचे तो बेटी का चेहरा देख वो भांप गए। इस समय अमिताभ को बाबूजी से पहली और जिंदगी की सबसे कीमती सीख मिली। पिताजी ने बड़े प्यार से कहा...

मन का हो तो अच्छा, न हो तो और भी अच्छा।

नन्हे से अमिताभ इस बात को क्या ही समझ पाते। उन्होंने झट से कहा, अगर मन का न हो रहा हो तो अच्छा कैसे हो सकता है। तो पिता ने कहा, नहीं तब वो ईश्वर के मन का होता है। और ईश्वर हमेशा आपका भला ही चाहेगा।

कि अमित की तबीयत में सुधार आ रहा है। उन्होंने इसका श्रेय अपने त्याग को दिया और जब अगले खत में उन्हें पता चला कि बेटी स्वस्थ हो गया तो फिर उन्होंने ताउम्र शराब को छुआ तक नहीं। अमिताभ 4 साल के हुए तो उनका दाखिला स्टूडी रोड,इलाहाबाद के बंगले के पास स्थित सेंट मैरीज कॉन्वेंट स्कूल में करवाया गया। हरिवंशराय बच्चन ने खुद सरकारी स्कूल में पढ़ाई की थी,जहाँ उनकी फीस एक पैसे थी,लेकिन पत्नी तेजी ने कॉन्वेंट से पढ़ाई की तो वो चाहती थीं बेटी भी कॉन्वेंट में पढ़े,चाहे फीस कितनी भी हो। तेजी की जीत हुई और कॉन्वेंट स्कूल में अमिताभ की महीने की फीस 15 रुपए रही। हरिवंशराय बच्चन के लिए फीस ज्यादा थी,लेकिन जिस तरह अमिताभ ने पढ़ाई में और सीखने में रुचि दिखाई,उससे उन्हें कभी महसूस नहीं हुआ कि ये फीस बेकार गई। स्कूल में बेटी अमिताभ का नाम लिखवाते हुए हरिवंशराय बच्चन ने एक नई उम्मीद पाल ली। वो और तेजी कास्ट सिस्टम के खिलाफ थे। हरिवंशराय का सरगम वैसे तो श्रीवास्तव था,लेकिन एक बार कैब्रिज यूनिवर्सिटी में उन्होंने बच्चन शब्द का प्रयोग किया और फिर उन्होंने अपनी सारी किताबें बच्चन (बच्चों सा) नाम से छपीं।



पहले अधूरे प्यार की कहानी, जिसने अमिताभ को मुंबई पहुंचाया

पढ़ाई पूरी करने के बाद अमिताभ बच्चन काम की तलाश में कोलकाता पहुंचे, जहाँ उन्हें शराब कंपनी शॉ वॉलेस शिपिंग फर्म एंड कंपनी में काम वलक की नौकरी की। कुछ समय बाद उन्हें आईसीआई में 1500 रुपए तनखाह की अच्छी नौकरी मिल गई। यहीं उनकी मुलाकात चंद नाम की लड़की से हुई, जिनसे उन्हें प्यार हो गया। एक रोज अमिताभ बच्चन ने इजहार-ए-मोहब्बत किया तो लड़की ने इनकार कर दिया। दिल टूटा तो उन्होंने कोलकाता की नौकरी छोड़ दी और मुंबई निकल पड़े। नाटकों में हिस्सा लेते हुए उन्हें अभिनय में रुचि थी, लेकिन बाबूजी चाहते थे कि वो नौकरी ही करें। एक रोज वो रेडियो स्टेशन पहुंचे। उस दौर की मशहूर आवाज रहे अमीन सयानी ने उनका ऑडिशन लिया और ये कहकर रिजेक्ट कर दिया कि लोग तुम्हारी आवाज सुनकर डर जाएंगे। इसके अलावा भी अमिताभ को हर जगह से निराशा हाथ लगी। इसी समय के आसपास उनके भाई अजिताभ ने एक रोज मुंबई से दिल्ली जाते हुए ट्रेन में पास बैठे लड़के से सुना कि डायरेक्टर खान्ना अब्बास फिल्म के लिए नए चेहरे की तलाश में हैं। उन्होंने झट से भाई अमिताभ की तस्वीर उस लड़के को थमा दी। अगले दिन तस्वीर देखकर खान्ना अब्बास ने अमिताभ को मिलने बुलाया। वो दिल्ली पहुंचे। सफेद चुड़ीदार, संकेत कुर्ते के साथ लेहर जैकेट पहने अमिताभ जब बातचीत के लिए तैयार हुए तो खान्ना अब्बास ने उनका नाम पुछा। हरिवंशराय बच्चन वैसे तो चाहते थे कि अमिताभ नौकरी करें, लेकिन इस खत के जवाब में उन्होंने लिख भेजा कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं। इस तरह बात बनी और खान्ना अब्बास ने 5 हजार रुपए देकर 15 फरवरी 1969 को अमिताभ को फिल्म सात हिंदुस्तानी में साइन कर लिया। शूटिंग हुई और उनकी पहली फिल्म सात हिंदुस्तानी 7 नवंबर 1969 में रिलीज हुई। आगे वो आनंद, प्यार की कहानी और रेशमा और शेरा जैसी फिल्मों में नजर आए। लेकिन कोई भी फिल्म उन्हें सफल बनाने लायक न चली।

ऋतिक रोशन ओटीटी पर करेंगे डेब्यू,आ रही है नई एक्शन-थ्रिलर वेब सीरीज स्टॉर्म,सबा आजाद भी आएंगी नजर

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन के फैंस के लिए खुशखबरी है। एक ओर जहां वह कुछ 4 में डायरेक्शन की कमान संभालने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं जल्द ही ओटीटी पर भी डेब्यू करने वाले हैं। हालांकि,उनकी यह पारी एक्टर के तौर पर नहीं होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने एक नई ओरिजिनल ड्रामा सीरीज स्टॉर्म की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट के साथ ऋतिक रोशन और उनकी कंपनी एचआरएक्स फिल्मस (फिल्मफ्रांटर प्रोडक्शंस का हिस्सा) ने हाथ मिलाया है। हालांकि,सीरीज का नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इसे तत्काल स्टॉर्म नाम दिया गया है। इस सीरीज को अजीतपाल सिंह ने बनाया और डायरेक्ट किया है। जबकि कहानी अजीतपाल सिंह सिंहा ने फ्रांस्वा लुनेल और स्वाति दास के साथ मिलकर लिखी है। ऋतिक रोशन और ईशान रोशन इस सीरीज को प्रोड्यूस कर रहे हैं।

स्टॉर्म की कास्ट और प्लॉट

'स्टॉर्म' में शानदार कलाकारों की टीम नजर जाने वाली है। इसमें पार्वती थिरुवोथु,आलया एफ,सुष्टि श्रीवास्तव,रमा शर्मा और सबा आजाद मुख्य भूमिकाओं में होंगे। सीरीज के प्रोडक्शन का काम जल्द ही शुरू होने वाला है। इसे एक रोमांचक थ्रिलर ड्रामा बताया जा रहा है, जिसकी कहानी मुंबई के बैकड्रॉप पर आधारित है।

ऋतिक रोशन बोले- सीरीज की कहानी दिलचस्प और स्टवाइड से भरी

बतौर प्रोड्यूसर,अपनी ओटीटी पारी के लिए ऋतिक रोशन ने कहा, 'स्टॉर्म' ने मुझे ओटीटी की दुनिया में बतौर



प्रोड्यूसर अपनी शुरुआत करने का एक शानदार मौका दिया। जिस चीज ने मुझे इस सीरीज की तरफ खींचा,वह है अजीतपाल द्वारा बनाई गई दिलचस्प और सच्चाई से भरी दुनिया है। कहानी गहरी,दमदार और यादगार किशोरों से भरी हुई है। मैं इसकी लेकर बहुत एक्साइटेड हूँ।

दमदार महिला किरदारों की कहानी होगी स्टॉर्म

प्राइम वीडियो के वाइस प्रेसिडेंट, गौरव गांधी कहते हैं, प्राइम वीडियो में हमारा मकसद हमेशा अच्छे कलाकारों और क्रिएटिव लोगों को मौका देना है,चाहे वो कैमरे के आगे हों या पीछे। हम ऐसी कहानियाँ लाना चाहते हैं जो दुनिया भर के लोगों को पसंद आएँ। ऋतिक रोशन भारतीय फिल्मों के सबसे टैलेन्टेड स्टार्स में से एक हैं। उनके और एचआरएक्स फिल्मस संग काम करना हमारे लिए बहुत खास है। उन्होंने आगे कहा, 'स्टॉर्म', सिर्फ एक सीरीज नहीं है,बल्कि एक नए और रोमांचक सफर की शुरुआत है।

अब प्यार से डर लगता है,कई बार नींद नहीं आती... तूफान तो गुजर गया,पर बर्बाद करके गया:शीजान खान

छोटे पंढे पर पिछले 12-13 साल से एक्टिव रहे शीजान खान की जिंदगी में उस वक्त तूफान आ गया था,जब उन्हें तीन साल पहले को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड केस में जेल जाना पड़ा। हालांकि,जेल से बाइज्जत बरी होने के बाद शीजान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की। जेल में 70 दिन बिताने के बाद जब शीजान वापस घर लौटे,तो यकीनन उनकी जिंदगी अब आसान नहीं थी। शीजान ने अपने करियर और निजी जिंदगी,दोनों पर खुलकर बात की है। वह कहते हैं कि आज भी उन्हें कई बार नींद नहीं आती। तुनिषा के जाने के बाद दिल और दिमाग पर ऐसा असर पड़ा है कि अब प्यार से डर लगता है। शीजान अब टीवी पर गुम है किसी के प्यार में के बाद नए शो गंगा माई की बेटियाँ में सिद्ध के किरदार में चर्चा बढ़ा रहे हैं।

अपने नए शो के बारे में वह कहते हैं, हमारे इस शो में जेडर डिस्क्रीमिनेशन का मुद्दा उठाया गया है। ये मैंने अपने आस-पास भी देखा है कि कैसे बेटी को चाहते हैं औरत पर लगातार बच्चे पैदा करने का दबाव डाला जाता है। ये कोई नहीं सोचता कि उस मां का क्या हाल होता होगा? बेटी के चक्कर में जो पूरी फौज इकट्ठा कर दी जाती है,यह सोच मुझे बहुत अखरती है।

हमें अपनी आवाज खुद बुलंद करनी होती है : शीजान खान ने बताया कि

जाता है,ये तो पराया धन है। मैंने खुद अपनी बहनों को कहा है कि ये तुम्हारा घर है। कल को शादी होने के बाद तुम्हें अपने घर में किसी भी तरह की कोई दिक्कत लगे,तो सीधे घर आ जाना। ये घर उसका ही है। मैं खुद महिलाओं के बीच पला-बढ़ा हूँ। मेरी परवरिश मेरी मां और बहनों ने की है,तो मेरा बालक काम समय बहुत चैलेंजिंग था। मेरी ज्यादा स्ट्रॉन है। मैं अपने उस पहलू पर गर्व करता हूँ। मेरा यही पक्ष मुझे दूसरों से अलग भी बनाता है कि कम से कम मैं दूसरों का साइड समझने की कोशिश करता हूँ।

जब भी लो फील करता हूँ,मां से बात करता हूँ : टीवी एक्सप्रेस फ्लक नाज और शफक नाज के भाई शीजान कहते हैं, मुझमें मेल इंगो नहीं है, क्योंकि मेरा पालन-पोषण महिलाओं ने किया है। मैंने कल तब भी अपनी मम्मी से एक-डेड घंटे बात की। मैं अवसर जब भी लो फील करता हूँ या थक जाता हूँ,अपनी मां से फोन पर बात कर लेता हूँ। मैंने कल ही अपनी माँ से कहा,माँ मुझे आप पर गर्व है,आपने हमारे लिए कितना किया है। उस दिन मम्मी बहुत प्यारी लग रही थीं,तो मैंने उनकी तारीफ कर दी। आज मैं 31 साल का हूँ और उम्र के इस मुकाम पर मैं चीजों को,रिश्तों को बेहतर समझ पाया हूँ। जेल में रहने के दौरान माँ और बहन बर्नी सबसे बड़ा सहारा : अली बाबा:

दास्तान-ए-काबुल से लोकप्रिय हुए शीजान खान,इसी शो में अपनी को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड, और जेल जाने के उस दौर को याद करते हुए कहते हैं,मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर तो वही था। मैं सीधा था कि खुद को संभालू कैसे? क्योंकि तूफान तो गुजर गया और बर्बाद करके गया,मगर उसके फर्मिनिन साइड मेरे मैस्कूलिन साइड से ज्यादा स्ट्रॉन है। मैं अपने उस पहलू पर गर्व करता हूँ। मेरा यही पक्ष मुझे दूसरों से अलग भी बनाता है कि कम से कम मैं दूसरों का साइड समझने की कोशिश करता हूँ।

जब भी लो फील करता हूँ,मां से बात करता हूँ : टीवी एक्सप्रेस फ्लक नाज और शफक नाज के भाई शीजान कहते हैं, मुझमें मेल इंगो नहीं है, क्योंकि मेरा पालन-पोषण महिलाओं ने किया है। मैंने कल तब भी अपनी मम्मी से एक-डेड घंटे बात की। मैं अवसर जब भी लो फील करता हूँ या थक जाता हूँ,अपनी मां से फोन पर बात कर लेता हूँ। मैंने कल ही अपनी माँ से कहा,माँ मुझे आप पर गर्व है,आपने हमारे लिए कितना किया है। उस दिन मम्मी बहुत प्यारी लग रही थीं,तो मैंने उनकी तारीफ कर दी। आज मैं 31 साल का हूँ और उम्र के इस मुकाम पर मैं चीजों को,रिश्तों को बेहतर समझ पाया हूँ। जेल में रहने के दौरान माँ और बहन बर्नी सबसे बड़ा सहारा : अली बाबा:

करीना के बेटे तैमूर को नहीं पसंद एक्टिंग,एक्ट्रेस बोलीं...उसे लगता मैं विराट और रोहित शर्मा की दोस्त हूँ,कहता है उन्हें मैसेज करो

करीना कपूर हाल ही में अपनी ननद और एक्ट्रेस सोहा अली खान के पॉडकास्ट का हिस्सा बनीं। इस दौरान उन्होंने पेरेंटिंग के कई पहलुओं पर खुलकर बात की। करीना ने अपने बड़े बेटे तैमूर से जुड़ी जानकारी भी शेयर की। एक्ट्रेस ने बताया कि तैमूर को एक्टर से ज्यादा क्रिकेटर पसंद है। तैमूर विराट कोहली और रोहित शर्मा का बड़ा फैन है। करीना ने पॉडकास्ट में कहा कि तैमूर अभी चीजों को एक्सप्लोर कर रहा है,लेकिन उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसे एक्टिंग में मजा नहीं आता है। उन्होंने कहा, टिम को ड्रामा या एक्टिंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। हर बार जब उसे स्कूल में एक्स्ट्रा कुरिकुलर एक्टिविटीज चुननी होती,तो मैं लिस्ट पढ़कर और उससे पूछती हूँ कि

क्या तुम इस साल ड्रामा करना चाहते हो? वो नहीं कहता है। मैं जब वजह पूछती तो वो कहता,नहीं,मुझे इसमें मजा नहीं आता इसलिए मैंने उसे इसमें आगे नहीं बढ़ाया। करीना ने आगे बताया कि तैमूर को खिलाड़ियों के प्रति ज्यादा आकर्षण है। इसके अलावा वो कुकिंग क्लास ज्वाइन करना चाहता है क्योंकि सैफ को खाना बनाना पसंद है। वह असल में बाकी एक्टर से कभी नहीं मिला। वो पूछते रहता है,क्या आप रोहित शर्मा और विराट कोहली के दोस्त हो? क्या आप विराट को मैसेज भेजकर उनका बेट मांग सकती हो? क्या आपके पास लियोनेल मेसी का नंबर है? और इन सारे सवालों के जवाब मैं मैं कहती हूँ कि नहीं,मेरे पास उनका नंबर नहीं है। उसे एक्टर के बारे

में कोई जानकारी नहीं है। फिर वो पूछेगा,क्या मैं यह सवाल विराट से पूछ सकता हूँ? और मैं कहती हूँ,नहीं,मैं उसे नहीं जानती। आप उन्हें सिर्फ मैसेज नहीं कर सकते! करीना और सैफ ने कुछ साल तक डेट करने के बाद 2012 में शादी कर ली थी। कपल ने शादी के चार साल बाद दिसंबर 2016 में अपने बड़े बेटे तैमूर को जन्म दिया था। तैमूर जन्म के बाद से ही पैपराजी और मीडिया के लिए आकर्षण का केंद्र रहे हैं। वो पैपराजी के लिए फेबरेट स्टार किड हैं। पैपराजी उनके हर मूवमेंट को कैच करती और वो आए दिन वायरल होते रहे हैं। वहीं,कपल ने साल 2021 की फरवरी में अपने छोटे बेटे,जहाँगीर अली खान का स्वागत किया।



C
M
Y
K

C
M
Y
K

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

राजधानी समाचार

अम्बिकापुर, रविवार 12 अक्टूबर 2025

8

प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों के लिए 41 हजार करोड़ रुपए से अधिक की दो नई योजनाओं का किया शुभारंभ प्रदेश में खेती-किसानी की तस्वीर बदलेगी और आर्थिक सम्पन्नता आएगी : सीएम साय

रायपुर, 11 अक्टूबर 2025। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित मुख्य समारोह से देश के किसानों को 41 हजार करोड़ रुपए से अधिक की कृषि परियोजनाओं का उपहार दिया। उन्होंने इस मौके पर दो नई योजनाएं- प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया। इनमें प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के लिए 30 हजार करोड़ रुपए और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के लिए 11 हजार करोड़ रुपए शामिल हैं। इसके अलावा मोदी कृषि और संरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की 1100 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृषक सभागार से हजारों किसानों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा ऑनलाइन जुड़कर इस अभियान के शुभारंभ के साबने। इस मौके पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पशुपालन, मत्स्यपालन एवं डेयरी विकास मंत्री राजीव रंजन सिंह, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री, सांसद और विधायक भी वचुअली रूप से जुड़े थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत रत्न जयप्रकाश नारायण और नानाजी देशमुख की जयंती के दिन आज देश कृषि आत्मनिर्भरता का नया इतिहास रच रहा है। आज से प्रारंभ हुई दोनों योजनाएं देश के अन्नदाताओं को सशक्त



बनाने और कृषि आत्मनिर्भरता के नए युग की शुरुआत है। खेती को लाभकारी और आधुनिक बनाने की दिशा में यह पहल मील का पथर सिद्ध होगी। उन्होंने बताया कि दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में भारत का कृषि निर्यात बढ़ा है, शहद उत्पादन, पशुपालन, मत्स्यपालन सहित सहायक कृषि गतिविधियों में बढ़ोतरी हुई है। प्रधानमंत्री ने बताया कि विकास के पैरामीटर में पिछड़ रहे जिलों के लिए केंद्रित आकांक्षा योजना के माध्यम से सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से सुधार का काम हुआ है। ठीक उसी तरह प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के तहत खेती किसानों में पिछड़े देश के 100 जिलों के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 36 नई योजनाओं के माध्यम से किसानों की आय में

छत्तीसगढ़ में ज्यादातर सीमांत किसान हैं

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में ज्यादातर सीमांत किसान हैं, उन्हें सरकार की कृषि हितैषी योजनाओं का बड़ा लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए सतत प्रयासरत है और यह योजना उसी दिशा में एक ठोस पहल है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चन्द्रहास चंद्राकर, मंडूआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारी और गौ-सेवा आयोग के अध्यक्ष विशेश सिंह पटेल, जिला पंचायत रायपुर के अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, सदस्य सौरभ साहब, कृषि उत्पादन अयुक्त शहला निगार, रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह, कृषि संचालक राहुल देव, राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम एमडी अजय अग्रवाल, उद्यानिकी विभाग के संचालक एस. जगदीशन राव, मत्स्य विभाग के संचालक नाग सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवा किसानों को भागीदारी से खेती की तस्वीर बदलेगी और किसानों की आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों और आने वाली पीढ़ी को सशक्त बनाने के उद्देश्य से दलहन आत्मनिर्भरता मिशन शुरू किया गया है। यह मिशन न केवल कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता

की दिशा में कदम है, बल्कि देश में पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी प्रयास है। शारीरिक और मानसिक विकास के लिए प्रोटीन अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए हमें मिलकर दलहन उत्पादन को सशक्त व्यवस्था करनी होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत अपनी दलहन आवश्यकताओं को पूर्ण रूप से पूरा नहीं कर पा रहा है। दलहन आत्मनिर्भरता

मिशन से दाल उत्पादन में वृद्धि होगी और लगभग दो करोड़ दाल उत्पादक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बड़ी खुशी की बात है कि किसान हित में दो नई योजनाओं में छत्तीसगढ़ के तीन जिलों जशपुर, कोरबा और दंतवाड़ा को भी शामिल किया गया है। इसके लिए मैं छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने इन दो नई योजनाओं के लिए प्रदेश के किसानों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इन योजनाओं से खेती-किसानी की तस्वीर बदलेगी और आर्थिक सम्पन्नता भी आएगी। मुख्यमंत्री साय ने योजनाओं के शुभारंभ के अवसर पर कृषि विभाग द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया और कृषि अभियांत्रिकी सब मिशन योजना के तहत किसानों को ट्रेक्टरों, कृषि

उपकरणों की चाबी भी सौंपी और अनुदान राशि का चेक प्रदान किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ट्रेक्टर पर बैठकर किसानों का उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान का बोलबाला है। जीएसटी में बढ़ा रिफॉर्म हुआ है। जीएसटी रिफॉर्म के बाद एक दिन में एक ट्रेक्टर शो रूम में गया, यहाँ आकर मुझे पता चला कि एक ट्रेक्टर के पीछे 40,000 से 60,000 तक की राशि बचत हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टॉल देखने के दौरान यहाँ मुझे एक किसान भाई मिले जिन्होंने हार्वेस्टर खरीदा, उन्हें एक लाख रुपए से भी अधिक की भी बचत का फायदा मिला। यह देखकर बड़ी खुशी होती है कि हमारे किसान भाइयों को इतना फायदा मिल रहा है। साय ने बताया कि सरकार छत्तीसगढ़ में किसानों के विकास के लिए लगातार प्रयासरत है। किसानों से किया हर वादा हमने पूरा कर दिया है।

छत्तीसगढ़ की बाधिन 'बिजली' की वनतारा में मौत 3 दिन पहले इलाज के लिए भेजे थे गुजरात में होगा अंतिम संस्कार

रायपुर, 11 अक्टूबर 2025। रायपुर जंगल सफारी की बाधिन बिजली की गुजरात, जामनगर स्थित वनतारा में इलाज के दौरान मौत हो गई। वनतारा एडमिनिस्ट्रेशन ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। छत्तीसगढ़ से भी पीसीसीएफ चीफ अरूण कुमार पांडेय ने भी इसे कन्फर्म किया है। पांडेय ने बताया जंगल सफारी के DFO और मेडिकल टीम बिजली की मौत की खबर मिलते ही जामनगर के लिए रवाना हुई है। बिजली का अंतिम संस्कार जामनगर में ही होगा। बाद में कि बाधिन के यूटर्स-ओरल में इन्फेक्शन था। 3 दिन पहले 7 अक्टूबर को उसे बेहतर इलाज के लिए वनतारा वाइल्ड लाइफ रेस्क्यू रिहबिलिटेशन सेंटर भेजा गया था, वह 9 अक्टूबर की रात गुजरात पहुंची थी।

जहां से आए थे पिता वहीं ली अंतिम सांस : 9 साल पहले जंगल सफारी का उद्घाटन हुआ था। तब गुजरात से नर बाघ लाया गया था। इसका नाम शिवाजी रखा गया। इसी शिवाजी का पीएम मोदी ने तस्वीर ली थी। बिजली, शिवाजी की पहली शवक थी। जहां से पिता आए थे, बिजली ने भी वहीं अंतिम सांस ली।

10 दिन से खाना-पीना कर दिया बंद : बाधिन बिजली की उम्र 8 साल की थी। उसके यूटर्स-ओरल में इन्फेक्शन था। जंगल सफारी में पिछले कुछ समय से बीमार चल रही थी। बिजली ने पिछले 10 दिन से खाना-पीना बंद कर दिया था। बेहतर इलाज के लिए 4 दिन पहले ही उसे हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस



से रवाना किया गया था। सीटी स्कैन में यूटर्स में इन्फेक्शन की बात सामने आई तो इलाज के लिए वन विभाग ने वनतारा शिफ्ट करने का निर्णय लिया गया। अनुमति के लिए केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण को पत्र लिखा गया लेकिन अनुमति मिलने में 10 दिन लग गए। अनुमति मिलने पर बिजली को वनतारा जामनगर भेजा गया। शुरुआत में उसकी बीमारी को गैस्ट्रो इन्टेस्टाइनल (पाचन तंत्र) के रूप में खड़नोज कर इलाज शुरू किया गया। बाद में हेमेटोलॉजिकल जांच और अल्ट्रासाउंड जांच में किडनी में इन्फेक्शन के लक्षण मिले। इसके बाद वनतारा की एक विशेषज्ञ पशु चिकित्सा टीम को उन्नत जांच और इलाज के लिए बुलाया गया।

नान घोटाले की सीबीआई जांच की मांग खारिज हाईकोर्ट बोला-10 साल बाद एजेंसी बदलना उचित नहीं, अफसरों पर चालान नहीं, ट्रायल कोर्ट जाने की छूट

बिलासपुर, 11 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के चर्चित नान घोटाले से जुड़ी जनहित याचिकाओं के साथ ही अपील को हाईकोर्ट ने निराकृत और खारिज कर दी है। वहीं, सीबीआई जांच की मांग को भी ठुकरा दिया है। डिवीजन बेंच ने स्पष्ट कहा कि मामला अब ट्रायल के अंतिम चरण में है, ऐसे में जांच एजेंसी बदलने का कोई औचित्य नहीं है। हाईकोर्ट ने जिन लोगों पर एसीबी ने चालान नहीं किया है, उनके खिलाफ ट्रायल कोर्ट में आवेदन लगाने की छूट दी है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस प्रथम प्रतीम साहू की डिवीजन बेंच में नान घोटाले से जुड़ी 8 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की। इनमें से कई याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में विचारधीन होने के कारण सालों से लंबित थीं। सितंबर में सुप्रीम कोर्ट ने मामलों का निराकरण कर दिया था, इसके बाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई तय की थी।

8 याचिकाओं पर केवल दो की तरफ से आए वकील

चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच में सुनवाई के दौरान केवल दो याचिकाकर्ता हमर संगवारी एनजीओ और अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव ही उपस्थित हुए। अन्य याचिकाकर्ता या उनके वकील अनुपस्थित



एसीबी-ईओडब्ल्यू ने की थी आपेमारी

2015 में एसीबी और ईओडब्ल्यू ने कार्यालयों और अधिकारियों के घरों पर छापेमारी थी। आरोप है कि जांच के बाद भी मुख्य अभियुक्तों को तत्काल गिरफ्तार नहीं किया गया और राजनीतिक दबाव में केस को कमजोर किया गया। 2018 में कांग्रेस सरकार बनने के बाद एसआईटी का गठन हुआ। उस समय के नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने एसआईटी जांच के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। बाद में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विक्रम उसड़ी ने भी सीबीआई जांच का विरोध करते हुए आवेदन दिया। साल 2017, 2019 और 2021 में इस पर लंबी सुनवाई हुई, लेकिन निर्णय नहीं आ सका। इसी दौरान ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसके बाद हाईकोर्ट की कार्यवाही पर रोक लग गई। अब सुप्रीम कोर्ट में ईडी की याचिकाओं के निराकरण के बाद हाईकोर्ट में लंबित याचिकाओं की सुनवाई की गई।

रहे, जिसके चलते हाईकोर्ट ने उन याचिकाओं को खारिज कर दिया। वहीं, जिन्होंने याचिका वापस लेने की अनुमति भाजपा नेता धरमलाल कौशिक की ओर से

224 में से 170 गवाहों के बयान हो चुके

राज्य सरकार की ओर से दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एडिशनल सौलिसिटर जनरल अतुल झा ने बताया कि ट्रायल कोर्ट में अब तक 224 में से 170 गवाहों के बयान दर्ज हो चुके हैं। अब मामला अंतिम चरण में है।

क्या है नान घोटाला ?

नान घाती नागरिक आपूर्ति निगम पर आधारित यह घोटाला छत्तीसगढ़ की सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में हुई बड़ी अनियमितताओं से जुड़ा है। राज्य में 2011 की जनगणना के अनुसार 55 लाख परिवार थे, लेकिन 70 लाख राशन कार्ड बनाए गए। करोड़ों रुपयों के चावल, दाल, नमक और अन्य खाद्य सामग्री की आपूर्ति में ख़ाफ़ घोटाला हुआ। घटिया गुणवत्ता का नमक, जिसमें जांच के दौरान इलाक़ के टुकड़े तक पाए गए, आदिवासी इलाकों में वितरित किया गया। नान के 27 जिला प्रबंधक, क्षेत्रीय अधिकारी और मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी इस रैकेट से जुड़े बताए गए। इसके बावजूद एसीबी ने कई जिला प्रबंधकों को अभियुक्त नहीं बनाया, जबकि छापों के दौरान अवैध लेन-देन के प्रमाण मिले थे।

यह अमानवीयता की हद है, एचआईवी पॉजिटिव मां के नाम पर अस्पताल की लापरवाही पर भड़का हाईकोर्ट

रायपुर, 11 अक्टूबर 2025। रायपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल में एक गर्भवती घटना सामने आई है, जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। अस्पताल के गायनी वार्ड और नर्सरी वार्ड के बीच नवजात शिशु के पास एक पोस्टर लगाया गया था, जिस पर लिखा था बच्चे की मां एचआईवी पॉजिटिव है। यह पोस्टर देखकर शिशु के पिता भावुक होकर रो पड़े। घटना की तस्वीरें और रिपोर्ट सामने आने के बाद छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मामले में सख्त नाराजगी जताई है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति अमितेंद्र किशोर प्रसाद की डिवीजन बेंच ने शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए कहा यह न केवल अमानवीय है, बल्कि नैतिकता और निजता के अधिकार का गंभीर उल्लंघन भी है। इस तरह का व्यवहार निंदनीय और असंवेदनशील है। अदालत ने कहा कि इस कृत्य से न केवल मां और बच्चे की पहचान उजागर हुई, बल्कि उन्हें समाज में कलंक और भेदभाव का सामना भी करना पड़ सकता है। हाईकोर्ट ने इस गंभीर मामले में राज्य के मुख्य सचिव से व्यक्तिगत शपथपत्र (अफिडेविट) तलब किया है, जिसमें उन्हें बताया होगा कि अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ क्या कार्रवाई बंद कर दिया है और भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं।

दादी-पोती डबल मर्डर, 18 महीने बाद दो आरोपी गिरफ्तार

दुर्गा-भिलाई, 11 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के दुर्गा जिले में दादी-पोती के दोहरे हत्याकांड का 18 महीने बाद खुलासा हो गया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का मृतक नाबालिग लड़की के साथ अफेयर था। आरोपी की सगाई हो चुकी थी। जब यह बात नाबालिग लड़की को पता चली तो उसने अपनी सहेलियों से अपने बॉयफ्रेंड और उसके परिवार को बर्बाद कर देने की बात कही थी। यह बात आरोपी को पता चली तो उसने अफेयर के खुलासा होने के डर से अपने साथियों के साथ मिलकर अपनी गर्ल फ्रेंड और उसकी दादी की बेरहमी से हत्या कर दी थी। हालांकि इस मामले में एक आरोपी अभी भी फरार है। यह मामला पुलगांव थाना क्षेत्र के गनियारी गांव का है।

सिंहदेव को एक दिन का सीएम बना देंगे, साय की कुर्सी पर बैठाकर सम्मान कर देंगे : चंद्राकर

सिंहदेव बोले थे...कभी नहीं कहूंगा मुख्यमंत्री नहीं बनना

बिलासपुर, 11 अक्टूबर 2025। छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री और बीजेपी विधायक अजय चंद्राकर ने बिलासपुर में कहा कि हम टीएस सिंहदेव को एक दिन का मुख्यमंत्री बना देंगे। अगर वो चाहें तो साय की कुर्सी पर बैठकर उनकी यह इच्छा हम पूरी कर देंगे। हम सीएम बनाकर उनका सम्मान कर देंगे, क्योंकि कांग्रेस में तो उनका कुछ होता नहीं है। दरअसल, पूर्व डिट्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा था कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सामूहिक नेतृत्व के साथ चुनाव लड़ेगी। साथ ही कहा कि मैं कभी नहीं कहूंगा कि मुझे मुख्यमंत्री नहीं बनना है। ऐसा कौन कहेगा मैं मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहूँ। बिलासपुर में शुक्रवार को सिंहदेव



ने ये बयान दिया था, जिस पर चंद्राकर ने तंज कसा है। दरअसल, छत्तीसगढ़ कांग्रेस में संगठन सुजन अभियान चल रहा है। कांग्रेस के प्रभारी और केंद्रीय पर्यवेक्षक जिलाध्यक्षों की नियुक्तियां हो रही हैं। कार्यक्रमों से रायपुरमारी कर रहे हैं। इसी को लेकर टीएस सिंहदेव शुक्रवार को बिलासपुर पहुंचे थे। इस दौरान

उन्होंने सीएम बनने की इच्छा जताई थी। सिंहदेव ने कहा था कि आने वाले 2028 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सामूहिक नेतृत्व के साथ चुनाव लड़ेगी। ऐसा राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी कह चुके हैं। वहीं मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि पहले भी मेरा नाम सीएम के लिए चला। छह-छह साल के

सीएम के मुद्दे पर मीडिया ने लगातार मुझे बनाए रखा। बाकी, पार्टी का निर्णय अंतिम रहता है। मैं कभी नहीं कहूंगा कि मुझे सीएम नहीं बनना है। उन्होंने कहा कि किसी भी चुनाव में किसी के चेहरे पर चुनाव लड़ना अवादा होता है। ज्यादातर 90% चुनाव सामूहिक नेतृत्व से ही लड़ा जाता है। सिंहदेव के बयान पर बिलासपुर में विधायक अजय चंद्राकर ने तंज कसते कहा कि हम सीएम बनाकर सिंहदेव का सम्मान कर देंगे, क्योंकि कांग्रेस में तो उनका कुछ होना नहीं है। किसी को भी कोई हसरत लेकर ऊपर नहीं जाना चाहिए। इसी मुद्दे पर उन्होंने कहा कि दुनिया में उसे पूरा कर लेना चाहिए। उनको गांधी परिवार ने धोखा दिया।

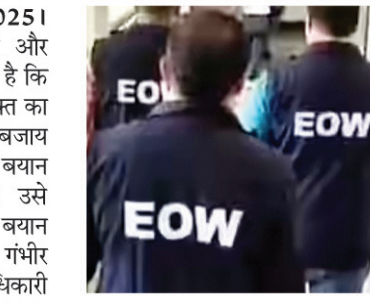
एनएचएम कर्मचारियों को दिवाली से पहले बड़ी सौगात, वेतन में 5% की बढ़ोतरी



रायपुर, 11 अक्टूबर 2025। राज्य शासन ने नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के कर्मियों को दिवाली के पहले 5 प्रतिशत वेतन वृद्धि का तोहफा दिया है। 1 जुलाई 2023 से वेतन वृद्धि का लाभ दिया जाएगा। हालांकि शासन के आदेश में ये भी स्पष्ट कर दिया गया है कि जिन अधिकारियों-कर्मचारियों की सेवाएं 1 जुलाई 2023 तक एक साल की पूरी हो चुकी होंगी, उन्हीं को 5 प्रतिशत वेतन वृद्धि का लाभ दिया जाएगा। शासन के इस आदेश से करीब 1500 से ज्यादा कर्मचारियों को वेतन वृद्धि का लाभ नहीं मिलेगा। बता दें कि वेतन वृद्धि सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर एनएचएम के अधिकारियों-कर्मचारियों ने 33 दिनों की हड़ताल की थी। उसी दौरान एनएचएम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सहित 25 पदाधिकारियों को बर्खास्त किया गया था। हड़ताल समाप्ति के दौरान हुई चर्चा में बर्खास्त कर्मियों की बहाली का आश्वासन दिया गया था। इस वजह से बर्खास्त कर्मचारी बहाली का इंतजार कर रहे हैं।

कोल घोटाला... रायपुर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने ईओडब्ल्यू-एसीबी को जारी किया नोटिस सूर्यकांत तिवारी का पहले टाइड-बयान दर्ज कराने का आरोप; भूपेश बोले-जांच एजेंसियां सुपारी ले रही हैं क्या?

रायपुर, 11 अक्टूबर 2025। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पर आरोप है कि उन्होंने मजिस्ट्रेट के समक्ष अभियुक्त का मौखिक बयान दर्ज कराने के बजाय पहले से तैयार किया गया टाइड बयान अदालत में पेश किया और उसे अभियुक्त सूर्यकांत तिवारी का बयान बताकर रिकॉर्ड करा दिया। इस गंभीर आरोप पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी



रायपुर ने ईओडब्ल्यू/एसीबी के निदेशक अमरेश मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक राहुल शर्मा और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रेश ठाकुर को नोटिस जारी किया है। वहीं इस मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने सवाल उठाए हैं।

जांच एजेंसियां सुपारी ले रही हैं क्या?

क्या : भूपेश बघेल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा, अब जांच एजेंसियां झूठे बयानों और सबूतों

का निर्माण भी खुद ही करने लगी हैं क्या? किसी को भी फंसाने के लिए अब जांच एजेंसियां सुपारी ले रही हैं क्या? जांच एजेंसी ईओडब्ल्यू/एसीबी पर झूठे साक्ष्य बनाकर अदालत के साथ आपराधिक धोखाधड़ी की शिकायत बेहद गंभीर है। वकीलों की शिकायत पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने ईओडब्ल्यू/एसीबी के निदेशक, उप पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को नोटिस

जारी किया है। देश की न्यायिक व्यवस्था में ऐसा पहली बार हुआ है जब कोई जांच एजेंसी अभियुक्त का बयान दर्ज करवाने की जगह अपने कार्यालय से लाए हुए बयान को अभियुक्त का बयान बताकर उस पर हस्ताक्षर करवा ले। वकीलों में किसी भी नागरिक को न्याय मिलने की संभावना खत्म होती है। उम्मीद है कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी इसका संज्ञान लेंगे।